लखनऊ

गुरुवार, 24 अक्टूबर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 103

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जो लोग गिरने से डरते हैं वह कभी भी जीवन में उड़ान नहीं भर सकते।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi | NIGHT 27° Low

संक्षेप

बेरूत में इजराइल ने फिर किया एयर स्ट्राइक, 12 से ज्यादा लोगों की मौत, 57 घायल

यरुशलम, एजेंसी। बेरूत और उसके आसपास इजराइली हवाई हमलों में 12 से अधिक लोगों की मौत हो गई जबकि देश के सबसे बड़े सार्वजनिक अस्पताल को काफी नुकसान पहुंचा। लेबनानी स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके पहले हिजबुल्लाह ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के क्षेत्र में पहुंचने से कुछ घंटे पहले मध्य इजराइल में रॉकेट की बौछार कर दी थी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सोमवार देर रात किये गए हवाई हमलों में 57 अन्य लोग घायल हो गए। इस हमले में दक्षिणी बेरूत के बाहरी इलाके में स्थित रफीक हरीरी विश्वविद्यालय अस्पताल के सामने की कई इमारतें नष्ट हो गईं। इजराइली सेना ने बताया कि उसने हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया था और उसने अस्पताल को निशाना नहीं बनाया था। विदेश विभाग ने कहा कि ब्लिंकन ने गाजा में युद्ध को खत्म करने, हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई और फिलिस्तीनी नागरिकों की पीड़ा को कम करने पर चर्चा की। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को खत्म करने और संगठन द्वारा बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों का मुक्त कराने का संकल्प लिया है। हमास का कहना है कि वह केवल स्थायी संघर्ष विराम, गाजा से इजराइल की पूर्ण वापसी और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले ही बंधकों को रिहा करेगा।

मैकडोनाल्ड का बर्गर खाकर एक की मौत, दर्जनों बीमार, कंपनी ने इस फूड आइटम की बिक्री पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मशहूर फूड चेन मैकडोनाल्ड का बर्गर खाकर लोगों के बीमार होने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं बर्गर खाने के बाद अमेरिका में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और दर्जनों लोग अस्पताल में भर्ती हैं। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन विभाग का कहना है कि ये मामले मैकडोनाल्ड के बर्गर क्वार्टर पाउंडर हैमबर्गर से जुड़े हैं। बीमार लोगों में ई. कोलाई का संक्रमण पाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर के अंत में लोगों के बर्गर खाकर बीमार होने के मामले शुरू हुए। बर्गर खाकर संक्रमित होने के मामले अमेरिका के 10 राज्यों में मिले हैं, जिनमें से सबसे ज्यादा 49 मामले कोलोराडो और नेब्रास्का जैसे राज्यों में मिले है। बर्गर खाकर लोगों के बीमार होने का असर मैकडोनाल्ड की साख पर पड़ा है और कंपनी के शेयरों में छह फीसदी की गिरावट आ चुकी है। दस लोग अभी संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन विभाग ने बताया कि एक बुजुर्ग शख्स की बर्गर खाने के बाद हुए संक्रमण से जान चली गई है। जांच में पाया गया कि ई. कोलाई से संक्रमित लोगों में एक चीज सामान्य थी और वो थी कि उन्होंने मैकडोनाल्ड में क्वार्टर पाउंडर हैमबर्गर खाया था। जांचकर्ताओं का कहना है कि अभी संक्रमण का सटीक कारण नहीं पता है, लेकिन जांच का फोकस बर्गर में इस्तेमाल होने वाली कटी हुई प्याज और बीफ पैटीज पर है। इन दोनों चीजों को आगे की जांच तक मैकडोनाल्ड के रेस्तरां से हटा दिया गया है।

यूपी के सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी, सीएम योगी ने किया बोनस का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों को सरकार ने दीवाली गिफ्ट दिया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली यूपी सरकार ने बुधवार को राज्य सरकारी कर्मचारियों को बोनस देने का का एलान किया है। इसकी जानकारी सीएम ऑफिस द्वारा सोशल मीडिया पर पर साझा की गई है।

यूपी सरकार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा- प्रदेश के समस्त पूर्णकालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों, जिला पंचायतों और राजकीय विभागों के कार्य प्रभारित अधिष्ठान के कर्मचारियों तथा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को वर्ष 2023-2024 के लिए बोनस प्रदान करने का सहर्ष निर्णय लिया है।

इस बोनस का लाभ अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों के साथ ही रोजाना वेतनभोगी व वर्कचार्ज कर्मचारियों को भी मिलेगा। सरकार के इस एलान के बाद 14.82 लाख कर्मचारियों को इससे लाभ मिलेगा। बोनस के एलान से 1025 करोड़ रुपये सरकार के खजाने पर बोझ पड़ेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य कर्मचारियों को मिलने वाले बोनस की अधिकतम धनराशि सात हजार रुपये तक होगी। इसके साथ ही सरकार दीवाली से पहले वेतन भी जारी कर सकती है।

डीए और पेंशनर्स की डीआर के लिए करना पड़ेगा इंतजार

इस बार दीवाली का त्योहार 31 अक्टूबर को पड़ रहा है। इसके देखते हुए राज्य सरकार दीवाली से पहले वेतन जारी करेगी। हालांकि, महंगाई भत्ता (डीए) व पेंशनर्स की महंगाई राहत (डीआर) के लिए कर्मचारियों को कुछ इंतजार करना पड़ सकता है। केंद्र सरकार की घोषणा के बाद डीए व डीआर में तीन प्रतिशत की वृद्धि होना तय माना जा रहा है। इसके साथ ही महंगाई भत्ता व पेंशनर्स की महंगाई राहत की दर बढ़कर 53 प्रतिशत हो जाएगी। डीए वृद्धि का लाभ जुलाई-2024 से दिया जाएगा।

यूपी पुलिस को सीएम योगी का दिवाली गिफ्ट

बता दें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत की वृद्धि, बैरक में रहने वाले आरक्षियों के पुलिस अकोमोडेशन अलाउंस में 25 प्रतिशत की वृद्धि और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेलकूद में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आहार समेत अन्य मदों के लिए अगले वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपये बढ़ाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री से अल्पसंख्यक राज्य मंत्री की मुलाकात: नई योजनाओं का आग्रह

लखनऊ(आरएनएस) उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने मदरसों के आधुनिकीकरण और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के सामाजिक, आर्थिक, और शैक्षिक उत्थान के लिए नई योजनाओं को लागू करने का अनुरोध किया। दानिश आजाद अंसारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा में व्यापक सुधार के लिए उनका नेतृत्व सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने मदरसा आधुनिकीकरण योजना स्कीम फॉर प्रोवाइडिंग एजुकेशन टू मदरसा एंड माइनॉरिटीजर (एसपईएमएम) का जिक्र करते हुए कहा कि यह योजना अल्पसंख्यक समाज के छात्रों को मुख्यधारा में लाने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, उन्होंने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन में कुछ कठिनाइयों का सामना किया जा रहा है, जिसे शीघ्र हल करने की आवश्यकता है। दानिश आजाद अंसारी ने छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित करने का भी अनुरोध किया। उनका कहना था कि इससे छात्रों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी और वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। अल्पसंख्यक राज्य मंत्री ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि अल्पसंख्यक महिलाओं और छात्राओं को सरकार की योजनाओं से जोड़ने के लिए एक स्अपलिफ्टमेंट प्रोग्राम फॉर माइनारिटी गर्ल्सस (यूपीएमजी) कार्यक्रम शुरू करने का सुझाव दिया। इस कार्यक्रम से अल्पसंख्यक बालिकाओं को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ वार्ता सकारात्मक रही और उन्हें आशा है कि इन योजनाओं को जल्द लागू किया जाएगा।

हमें आतंकवाद और टेरर फंडिंग से मजबूती से लड़ना होगा ब्रिक्स समिट में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने बुधवार को ब्रिक्स समिट को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि ब्रिक्स विभाजनकारी नहीं जनहितकारी है। वैश्विक संस्थाओं में सुधार के लिए आवाज उठानी होगी। हम सुरक्षित समृद्ध भविष्य के लिए सक्षम हैं। इस दौरान पीएम ने आतंकवाद के खिलाफ भी आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि हमें आतंकवाद और टेरर फंडिंग से मजबूती से लड़ना होगा। हमें युवाओं को कट्टरपंथ की ओर जाने से रोकना होगा। भारत युद्ध नहीं संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है।

पीएम मोदी ने कहा, आज की बैठक के शानदार आयोजन के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे बहुत खुशी है कि हम पहली बार विस्तारित ब्रिक्स परिवार के रूप में मिल रहे हैं। ब्रिक्स परिवार से जुड़े सभी नए सदस्यों का मैं हार्दिक स्वागत करता हूँ। पिछले एक साल में रूस की सफल अध्यक्षता के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का अभिनंदन करता हूं।

ब्रिक्स विभाजनकारी नहीं, जनहितकारी समूह

पीएम ने कहा, हमारी बैठक एक ऐसे समय में हो रही है जब विश्व युद्धों, संघर्षों, आर्थिक अनिश्चितता, क्लाइमेट चेंज और आतंकवाद जैसी अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। विश्व में नार्थ-साउथ और पूर्व-पश्चिम विभाजन की बात हो रही है। महंगाई पर रोकथाम, फूड सिक्योरिटी, एनर्जी सिक्योरिटी, हेल्थ सिक्योरिटी और वाटर सिक्योरिटी सभी देशों के लिए प्राथमिकता के विषय हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी के युग में, साइबर सिक्यूरिटी, डीप फेक, दुष्प्रचार जैसी नई चुनौतियां बन गई हैं। ऐसे में ब्रिक्स को लेकर बहुत अपेक्षाएं हैं। मेरा मानना है कि एक विविध एवं समावेशी प्लेटफॉर्म के रूप में ब्रिक्स सभी विषयों पर सकारात्मक भूमिका अदा कर सकता है। इस मामले में हमारी सोच लोगों पर केंद्रित होनी चाहिए। हमें विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि ब्रिक्स विभाजनकारी नहीं, जनहितकारी समूह है।

पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि हम युद्ध नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं। जिस तरह हमने मिलकर कोविड जैसी चुनौती को परास्त किया, उसी तरह हम भावी पीढ़ी के सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध भविष्य के लिए नए अवसर पैदा करने में पूरी तरह सक्षम हैं।

हमें साइबर सिक्योरिटी के लिए काम करना चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद और टेरर फंडिंग से निपटने के लिए हम सभी को एकमत होकर दृढ़ता से सहयोग देना होगा। ऐसे गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं है। हमारे देशों के युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए हमें सक्रिय रूप से कदम उठाने चाहिए। यूएन में कंप्रिहेंसिव कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल टेररिज्म के लंबित मुद्दे पर हमें मिलकर काम करना होगा। इसके साथ ही हमें साइबर सिक्योरिटी के साथ ही सुरक्षित एआई के लिए काम करना चाहिए। ब्रिक्स ऐसा संगठन है जो समय के अनुसार खुद में बदलाव करने की इच्छाशक्ति रखता है। पीएम मोदी ने कहा कि हमें यूएनएससी (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) और डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) जैसे संगठनों में सुधार के लिए समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।

हमें साइबर सिक्योरिटी के लिए काम करना चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद और टेरर फंडिंग से निपटने के लिए हम सभी को एकमत होकर दृढ़ता से सहयोग देना होगा। ऐसे गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं है। हमारे देशों के युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए हमें सक्रिय रूप से कदम उठाने चाहिए। यूएन में कंप्रिहेंसिव कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल टेररिज्म के लंबित मुद्दे पर हमें मिलकर काम करना होगा। इसके साथ ही हमें साइबर सिक्योरिटी के साथ ही सुरक्षित एआई के लिए काम करना चाहिए। ब्रिक्स ऐसा संगठन है जो समय के अनुसार खुद में बदलाव करने की इच्छाशक्ति रखता है। पीएम मोदी ने कहा कि हमें यूएनएससी (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) और डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) जैसे संगठनों में सुधार के लिए समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।

बिहार विधानसभा उपचुनाव : मैदान में उतरने से पहले झटका, प्रशांत किशोर को बदलने पड़े दो उम्मीदवार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने बिहार विधानसभा उपचुनाव की चार सीटों पर पहली बार उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है, लेकिन चुनाव में उतरने से पहले ही उन्हें झटका लगा है।प्रशांत किशोर को चार से दो सीटों पर अपने उम्मीदवार बदलने पड़े हैं। तरारी और बेलागंज विधानसभा सीट से प्रशांत किशोर ने घोषित उम्मीदवार बदलने का ऐलान किया है।

भोजपुर जिले के मुख्यालय आरा में बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रशांत किशोर ने ऐलान किया कि तरारी विधानसभा उपचुनाव से सामाजिक कार्यकर्ता किरण सिंह चुनाव लड़ेंगी। प्रशांत किशोर ने पहले पूर्व सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल कृष्ण सिंह (सेवानिवृत्त) को पहले इस सीट से उम्मीदवार घोषित किया था। इसी तरह से बेलागंज विधानसभा उपचुनाव से शिक्षाविद खिलाफत हुसैन की जगह पूर्व पंचायत मुखिया मोहम्मद अमजद चुनाव लड़ेंगे।

प्रशांत किशोर ने दो सीटों पर बदले उम्मीदवार

प्रशांत किशोर ने उम्मीदवारों के नामों में बदलाव का ऐलान करते हुए कहा कि चुनावी प्रणाली को सत्ता पक्षधर मानते हैं। इसमें नए उम्मीदवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। वहीं स्थापित पार्टियों में कोई परेशानी नहीं होती है। प्रशांत किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार 25 अक्टूबर को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे, उसी समय उन्हें चुनाव चिह्न आ दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि जन सुराज के सभी उम्मीदवार उपचुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने तरारी से लेफ्टिनेंट जनरल सिंह चुनाव नहीं लड़े जाने पर कहा कि उन्हें स्थानीय मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना होगा। इस परेशानी से बचने के लिए नए उम्मीदवार का ऐलान करने का निर्णय किया है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि बेलागंज विधानसभा उपचुनाव में खिलाफत हुसैन को उनकी उनकी वरिष्ठता को देखते हुए उतारा गया था, लेकिन उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया।

कोई गंभीरता नहीं, पूरी तरह नाकाम...दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर हरियाणा और पंजाब सरकार को एससी की फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा और पराली जलाए जाने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में आज (बुधवार) सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने पंजाब-हरियाणा को फटकार लगाई है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि पराली जलाने को लेकर आप सिर्फ कारण बताओ नोटिस कर रहे हैं। यह आपका रवैया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून के तहत कार्रवाई करने में दोनों सरकारें पूरी तरह से नाकाम साबित हुई हैं। पराली जलाने के खिलाफ कदम उठाने को लेकर कोई गंभीरता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत में गलत बयानी की जा रही है। हम अवमानना नोटिस जारी करेंगे, अन्यथा हमें हकीकत बताएं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 21 जीवन के अधिकार के तहत शुद्ध हवा हरेक नागरिक का मूल अधिकार है। ऐसे में सरकारों का नाकाम रहना सीधे तौर पर नागरिकों को प्रदत्त मूल अधिकार का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि राज्यों की ओर से जो प्रस्ताव दिया गया है उसपर दो सप्ताह में निर्णय लें, मुआवजे की राशि बढ़ाने को लेकर नियमों में बदलाव करें। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार अदालत के सभी पिछले निर्देशों पर गौर करके अनुपालन रिपोर्ट दो सप्ताह में दाखिल करे। दिल्ली में 13 स्थानों पर खुलेआम कूड़ा जलाने के मुद्दे पर एमाइकस ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया। साथ ही वाहनों से होने वाले प्रदूषण के मद्देनजर ट्रकों के प्रवेश और औद्योगिक प्रदूषण के बारे में भी जानकारी एमाइकस ने दी। मामले की अगली सुनवाई अब 4 नवंबर को होगी।

हरियाणा सरकार ने 24 अधिकारियों को किया निलंबित

वहीं, हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने अपने-अपने क्षेत्रों में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाने में कथित विफलता को लेकर 24 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में 20 अक्टूबर को आदेश जारी किया गया था। आदेश में उल्लेख किया गया है कि अधिकारियों को प्रशासनिक आधार पर निलंबित किया गया है।

'हम सख्त आदेश जारी करेंगे'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम यह स्पष्ट कर देते हैं कि स्थितियों में सुधार नहीं आया और यह जारी रहा तो हम सख्त आदेश जारी करेंगे। कोर्ट ने कहा कि हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि राज्यों और आयोग के बीच समन्वय भी महत्वपूर्ण है। जहां तक 1986 अधिनियम की धारा 15 के तहत पर्यावरण मुआवजे का सवाल है, हमें केंद्र द्वारा सूचित किया गया है कि मुआवजे को पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्रालय द्वारा बनाए गए नियमों के आधार पर बराबर किया जा रहा है। हम केंद्र सरकार को निर्धारित जुर्माना राशि पर पुनर्विचार करने का निर्देश देते हैं।

लाल स्याही से लिख लो उनके नाम... अधिकारियों को लेकर ऐसा क्यों बोले शिवपाल यादव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव की घोषणा के बाद समाजवादी पार्टी सक्रिय हो गई है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव कटेहरी विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी शोभावती वर्मा के नामांकन कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा के साथ ही जिला प्रशासन को भी सख्त हिदायत दी। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि प्रशासन निष्पक्ष और ईमानदारी से काम करे। आगे उन्होंने कहा कि जो अधिकारी ईमानदारी से काम नहीं कर रहे हैं, उनका नाम लाल स्याही से लिख लो, सरकार आने पर हिसाब लिया जाएगा। चुनाव की पारदर्शिता को लेकर उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने भी निर्देश दिया है कि प्रशासन निष्पक्ष रहे। वहीं भाजपा को लेकर उन्होंने कहा कि ये लोग काम नहीं करते, केवल बात करते हैं, इसका जवाब कटेहरी की जनता उन्हें अपने वोटों से देगी।

'मतदाताओं को धमकाया जाता हैं'

बता दें, शोभावती वर्मा सपा सांसद लालजी वर्मा की पत्नी हैं। यूपी में हो रहे विधानसभा उपचुनाव में सपा ने इन्हें टिकट दिया है। शोभावती के पति सांसद लालजी वर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन अलग-अलग क्षेत्र के मतदाताओं को बुलाकर धमका रहा है, जो ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में उन्हें लोकसभा चुनाव में कटेहरी से मिली 17 हजार मतों की लीड से भी ज्यादा वोट लेकर जीत मिलेगी। शिवपाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रदेश में हो रहे उपचुनाव में भाजपा सभी सीटों पर हार जाएगी और 2027 में सत्ता से बाहर हो जाएगी।

क्या बोले शिवपाल ?

आगे उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में नौजवानों की समस्याएँ बढ़ गई हैं। उन्हें नौकरी नहीं मिल रही है, और जो नौजवान नौकरी पा रहे हैं, वे केवल संविदा और आउटसोर्सिंग के जरिए काम कर रहे हैं, जिसमें बहुत कम वेतन मिलता है। वहीं व्यापारियों को लेकर उन्होंने कहा कि जीएसटी के कारण छोटे व्यापारी भी परेशान हैं, क्योंकि उनके यहाँ छापे पड़ रहे हैं। किसान इस सरकार से असंतुष्ट हैं और बिजली विभाग की छापेमारी का सामना कर रहे हैं। उन्हें डीएपी खाद नहीं मिल रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस सरकार में महिलाएं असुरक्षित हैं, निर्दोषों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है, और जेलों में हत्याओं की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने कहा बीजेपी से ज्यादा बेईमान कोई नहीं हैं।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर लगाया गंभीर आरोप : अराजकता और नफरत फैलाने का दावा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर उत्तर प्रदेश में अराजकता फैलाने और समाज में नफरत पैदा करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए दंगे करवा रही है और इस प्रकार की राजनीति की कड़ी निंदा की।बहराइच हिंसा मामले का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि भाजपा के विधायक भी साजिश के आरोप में एफआईआर दर्ज करा रहे हैं, जिससे भाजपा की credibility पर सवाल उठता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबों, पिछड़ों, दलितों, और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा युवाओं को बरगला कर दंगों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल कर रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भाजपा के कुछ बचे-खुचे समर्थक अब पार्टी की हिंसक और षड्यंत्रकारी राजनीति से शर्मिंदा हैं।आगे बढ़ते हुए यादव ने भविष्यवाणी की कि जनता भाजपा के षड्यंत्रों को समझ रही है और आने वाले उपचुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के शासन का अंत करेगी। इस प्रकार, उन्होंने भाजपा की नीतियों पर तीखा हमला किया और प्रदेश के लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया।

युवकों को संयमित व्यवहार के लिए करें प्रेरित : डीएम मोनिका रानी

» शान्ति समिति की बैठक में बीते दिनों हुई घटना पर डीएम ने जताया दुख

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बहराइच। आसन्न धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज एवं छठ पूजा इत्यादि त्योहारों को धार्मिक आयोजन हेतु शासन द्वारा निर्गत गाईडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक बृन्दा शुक्ला ने थाना हरदी में आयोजित शान्ति समिति की बैठक में मौजूद लोगों से अपील की कि आगामी त्यौहारों को सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनायें। डीएम व एसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि आसन्न त्यौहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था को प्रभावित करने के किसी प्रयास को पूरी गम्भीरता के साथ लिया जायेगा। शान्ति व्यवस्था में विघ्न डालने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी।

डीएम व एसपी ने बैठक में मौजूद ग्राम प्रधानों, पूर्व प्रधानों, ग्राम के चौकीदारों एवं कोटेदारों को निर्देश दिया कि ग्राम में शान्ति व्यवस्था को लेकर सतर्क दृष्टि बनाये रखें यदि कहीं पर कोई समस्या संज्ञान में आये तो तत्काल जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी सूचना दें। डीएम व एसपी ने बैठक में मौजूद धर्मगुरूओं, संभ्रान्तजन तथा वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि आपसी सौहार्द बनाये रखने में जिला प्रशासन को सहयोग प्रदान करें तथा विशेषकर युवकों को संयमित व्यवहार के लिए प्रेरित करें। डीएम ने मौजूद कस्बावासियों से अपील की कि आगामी त्यौहारों को मिसाली भाई-चारे के साथ मिलजुल कर मनाएं, सभी लोग एक-दूसरे की खुशी व गम में शिरकत करें। डीएम व एसपी ने आश्वस्त किया कि त्यौहारों के अवसर पर बिजली, पानी, साफ-सफाई के साथ-साथ गुड पुलिसिंग की व्यवस्था रहेगी।

डीएम व एसपी ने कहा कि जनपद में धारा-163 प्रभावी है सभी लोग निषेधाज्ञा का पालन करते हुए हंसी खुशी के साथ त्यौहार मनाये। लोगों से अपील की गई कि अफवाहों पर कतई ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया का उपयोग पूरी सावधानी के साथ किया जाए। डीएम एसपी ने कहा कि एक-एक गतिविधि पर सर्तक दृष्टि रखी जा रही है इसके लिए स्थानीय सूचना तन्त्र पूरी तरह से सक्रिय है। यदि कहीं पर कोई अप्रिय तथ्य किसी के संज्ञान में आता है तो इसकी जानकारी जिला प्रशासन को अवश्य दी जाय। डीएम व एसपी ने कहा कि विगत दिनों हुई घटना अत्यन्त दुःखद है। जिला प्रशासन को विश्वास है कि आगामी त्यौहार सभी लोग एक दूसरे के साथ मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण मनायेंगे। डीएम व एसपी ने लोगों से अपील की कि धार्मिक आयोजनों में किसी प्रकार का शक्ति प्रदर्शन न करें और त्यौहारों की पवित्रता के मद्देनज़र लोगों को नशे का सेवन न करने के लिए प्रेरित भी किया जाय। डीएम व एसपी ने कहा कि सभी धर्मों के अनुयायी एक दूसरे के धार्मिक स्थलों एवं महापुरूषों का सम्मान करें। डीएम एसपी ने कहा कि कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखना सभी जिम्मेदार नागरिकों का नैतिक कर्तव्य भी है। हम सभी लोगों को चाहिए कि अपने अधिकार से साथ-साथ अपने दायित्वों को भी याद रखें। डीएम व एसपी ने बताया कि जिले के सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि धार्मिक आयोजनों के लिए शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन का पालन कराते हुए शान्ति व्यवस्था बनाए रखी जाय। शरारती एवं असामाजिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि बनाये रखते हुए अवैध शराब के निर्माण, संचरण, भण्डारण एवं बिक्री पर पंभावी अंकुश के लिए प्रवर्तन की कार्यवाही अमल में लायी जाय।

80 दिन में सभी तैयारियां करें पूरा : मेलाधिकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज में जनवरी- 2025 में लगने वाले महाकुंभ के तैयारियों की उल्टी गिनती शुरू हो गई है जबकि कार्यदाई विभाग दिन-रात कार्यों में लगे हुए है। पहले स्नान पर्व 13 जनवरी 2025 पौष पूर्णिमा से कल्पवास शुरू हो जाएगा, ऐसे में देश और विदेश से लाखों कल्पवासी संगम नगरी 10 जनवरी से कल्पवास के लिए पहुंचने लगेंगे। महाकुंभ का पहला मुख्य स्नान पर्व 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा है । ऐसे में प्रथम स्नान पर्व अब सिर्फ 80 दिन शेष हैं, इसमें सभी विभागों को शेष तैयारियां पूरी करनी है। सबसे ज्यादा कार्य नगर निगम, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग और सिंचाई विभाग को करना है जबकि रेलवे, स्वास्थ्य विभाग, पावर कारपोरेशन सहित अन्य विभागों की तैयारियों से महाकुंभ के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद संतुष्ट हैं। उनका कहना है कि सभी विभागों के कार्यों की मानीटरिंग सुबह-शाम हो रही है ऐसे में सभी विभागों के कार्य समय से पूरे होंगे और उसका लाभ स्नानार्थियों और श्रद्धालुओं को मिलेगा। महाकुंभ - 2025 में छह प्रमुख स्नान पर्व है। पहला मुख्य स्नान पर्व पौष पूर्णिमा 13 जनवरी 2015, दूसरा मुख्य स्नान पर्व मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025 को शाही स्नान, तीसरा मुख्य स्नान पर्व मौनी अमावस्या 29 जनवरी 2025 को दूसरा शाही स्नान,चौथा मुख्य स्नान पर्व बसंत पंचमी का स्नान तीन फरवरी 2025 को तीसरा शाही स्नान, पांचवां मुख्य स्नान पर्व माघी पूर्णिमा का स्नान 12 फरवरी 2025 को और छठवां एवं अंतिम मुख्य स्नान पर्व महाशिवरात्रि का स्नान 26 फरवरी 2025 को है। इस प्रकार से इस बार का महाकुंभ 45 दिन का होगा। शासन और मेला प्रशासन के अफसरों ने महाकुंभ में देश और विदेश के 40 करोड़ श्रद्धालुओं और स्नानार्थियों के तीर्थराज प्रयागराज आने की संभावना को देखते हुए मेला क्षेत्र एवं शहर में व्यापक स्तर पर सभी विभागों की तैयारियां चल रही है। महाकुंभ के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि सभी विभागों के कार्यों का निरीक्षण मेला प्रशासन के वरिष्ठ अफसर दिन-रात कार्य कर रहे है। उन्होंने बताया कि विभागों के कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि बारिश की वजह से लोनिवि, नगर निगम और पीडीए का कार्य शिथिल हुआ था लेकिन समय से महाकुंभ की सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएगी।

टेंट सिटी बुकिंग के नाम पर आठ फर्जी वेबसाइट

प्रयागराज। महाकुंभ को लेकर जहां तैयार हो रही टेन्ट सिटी के नाम पर फर्जीवाड़ा भी हो रहा है। महाकुंभ में अभी टेंट सिटी के निर्माण की शुरुआत नहीं हो सकी है। वहीं कई फर्जी वेबसाइट पर इनकी बुकिंग भी शुरू हो गई है। जो श्रद्धालुओं की आस्था के साथ ही उनको आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचा रही हैं। ऐसे में प्रयागराज पर्यटन विभाग की तरफ से सही वेबसाइट की सूची भी जारी की गई है। महाकुंभ में करोड़ों की संख्या में देश और विदेश से लोग आते हैं। उसको देखते हुए पर्यटन विभाग की तरफ से अरैल व परेड में टेंट सिटी का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए अभी जमीन के समतली करण का कार्य कराया जा रहा है। यह सिटी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। यहां पर कम दाम में पर्यटकों को रहने से लेकर खाने पीने तक की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। लेकिन कुछ लोग महाकुंभ में लोगों की आस्था को देखते हुए टेंट सिटी के नाम पर फर्जी वेबसाइट चलाकर इसकी बुकिंग कर रही है।

मनमाने ढंग से क्रय केंद्र केन्दों का निर्धारण एवं खरीदारी नहीं होगी : भारतीय किसान संघ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मीरजापुर। नगर केशव भवन में किसानों की हुई बैठक में कहा गया है कि बिना किसानों के अनुमति के किसी भी क्रय केंद्र का निर्धारण नहीं किया जाएगा एवं सरकार द्वारा बनाई गई मानक के अनुसार किसानों के उपज की बिक्री नहीं होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भारतीय किसान संघ आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। उक्त बातें भारतीय किसान संघ के काशी प्रांत के उपाध्यक्ष कृष्णानंद सिंह ने दुर्गा बाजार स्थित केशव भवन में भारतीय किसान संघ की बैठक में कहा उन्होंने कहा कि क्रय केदो के निर्धारण में सरकारी अधिकारी मनमाने ढंग से कार्य कर रहे हैं। जिससे किसानों को परेशानी हो रही है। राजगढ़ ब्लाक के सरसों सेमरी में खुला क्रय केंद्र 3 सालों से बंद कर दिया गया है। बिना कारण बताएं जिससे किसानों को 15 किलोमीटर दूर गोल्हनपुर में जाना पड़ता है। संघ के जैविक प्रमुख रामनारायण सिंह ने कहा कि भारतीय किसान संघ को आगे बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं को गांव में कार्य करना पड़ेगा और अधिक से अधिक गांव के नौजवानों को संघ में जोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगले 3 साल में 10 हजार नए सदस्यों को जोड़कर संघ को मजबूत किया जाएगा। इस समय पूरे भारत में 40 लाख सदस्य बनाए जा चुके हैं।। काशी प्रांत के पूर्व महासचिव अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि दीपावली पर सभी घरों में गो पूजन किया जाएगा और किसानो की समस्याओं पर कहां की चंदौली में प्रति किसान से 100 कुंतल धान खरीद जाता है।धन जबकि मिर्जापुर में 14 कुंतल प्रति एकड़ के दर से खरीदने का फरमान जारी किया गया है।

फूलपुर उपचुनाव: सपा प्रत्याशी मुज्तबा ने किया नामांकन

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा के उप चुनाव में समाजवादी पार्टी के घोषित उम्मीदवार मुजतबा सिद्दीकी ने आज अपना नामांकन जिला कचहरी में किया। उन्होने दो सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया।

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में सपा प्रत्याशी मुजतबा सिद्दीकी ने कहा कि बहुत लम्बे अरसे से फूलपुर क्षेत्र में विकास कार्य नहीं कराये गए हैं। कस्बे में जलभराव, टूटी -फूटी सड़कें, शिक्षण संस्थाओं का अभाव, चरमराई स्वास्थ्य सेवाएं, बिगड़ी क़ानून व्यवस्था जैसी असंख्य समस्याएँ जो फूलपुर की जनता के लिये घोर संकट बनी हुई हैं। भाजपा शासन में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, आरक्षण, महिलाओं, अल्पसंख्यकों सहित पी. डी. ए. पर हो रहे लगातार हमले, पेपर लीक जैसे तमाम मुद्दे हैं जिनसे प्रदेश की जनता निजात पाना चाहती है। वह स्वयं फूलपुर के ही निवासी हैं इसलिए लोंगो का भरोसा बढ़ा है।

भगवान चित्रगुप्त की शोभायात्रा 3 नवम्बर को

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जौनपुर। कायस्थ महासभा, संगत पंगत, भगवान चित्रगुप्त पूजन समिति, कायस्थ मंच, विश्व कायस्थ सभा साहित जिले के सभी भगवान चित्रगुप्त संगठन के लोगों की एक बैठक कायस्थ महासभा के जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र श्रीवास्तव के खरका कालोनी आवास पर सम्पन हुआ। बैठक की अध्यक्षता मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट जिलाध्यक्ष कायस्थ महासभा ने व संचालन अजय वर्मा ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय हुआ है जिले नगर में सभी जगहों होने वाले भगवान चित्रगुप्त पूजन में भाग लेंगे एवं सभी भगवान चित्रगुप्त मन्दिर में पूजन किया जाएगा और एक दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस निकाली जाएगी। कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष, संजय श्रीवास्तव ने सामाजिक संगठन के साथ मिलकर पूजन दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस में शामिल होने की अपील किया। जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि 3 नवम्बर को दोपहर 2 बजे बारी नाथ मन्दिर में प्राचीन भगवान चित्रगुप्त मन्दिर में पूजन किया जाएगा फिर दोपहर 3 बजे एक दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस निकाली जाएगी जो उर्दू बाजार शाही पुल ओलंदगंज होते हुए भगवान चित्रगुप्त मन्दिर रूहटा तक जाएंगी जहां दिव्य आरती के साथ समापन होगा। राष्ट्रीय महासचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने कहा कि जो लोग भी कलम का प्रयोग करते है वे सभी भगवान चित्रगुप्त पूजन दुपहिया वाहन शोभायात्रा जुलूस में शामिल होकर कृतार्थ करे भगवान चित्रगुप्त जी सभी धर्म जाती के देवता हैं सभी नगरवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने का अनुरोध किया है। शोभायात्रा जुलूस के प्रभारी/संयोजक राकेश श्रीवास्तव साधु राष्ट्रीय सचिव, सुरेश अस्थाना प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए और सह प्रभारीध्सह संयोजक अजय वर्मा अज्जू वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय संगत पंगत, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव राजा, युवा जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव बनाए गए। मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाए गए। वही बारी नाथ मन्दिर में भगवान चित्रगुप्त मन्दिर पूजन समिति के प्रभारी संयोजक राकेश श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष, गिरिजेश श्रीवास्तव रिटायर्ड बैंक अधिकारी प्रदेश संगठन मंत्री एवं सह प्रभारी संयोजक संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, आशीष श्रीवास्तव एडवोकेट, राजू जौहरी बनाए गए। शोभायात्रा प्रभारी अमित श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष बनाए गए।दीवानी अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण सिन्हा एडवोकेट ने कहा कि सभी लोग अपने परिवार के साथ भगवान चित्रगुप्त मन्दिर बारी नाथ, भगवान चित्रगुप्त मन्दिर रूहटा में शामिल हो। नेता अनूप सिन्हा, अमित श्रीवास्तव , अजय श्रीवास्तव, संतोष निगम, सौरभ श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव अनुपम श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव सुलभ श्रीवास्तव संतोष श्रीवास्तव राकेश श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव चंद्रमोहन श्रीवास्तव शशि श्रीवास्तव प्रशांत पंकज श्रीवास्तव मनीष श्रीवास्तव कुंवर अस्थाना राजू जौहरी, आशीष जौहरी रवि श्रीवास्तव विनय श्रीवास्तव आतिश श्रीवास्तव सार्थक कपूर श्रीवास्तव, अमूल्य श्रीवास्तव अतुल श्रीवास्तव एडवोकेट, अजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

किशोरियों को शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जरूरत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर/भीटी। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर चल रहे कार्यक्रम में भीटी ब्लाक के तेरिया ग्राम पंचायत में संचालिन प्राथमिक विद्यालय तेरिया के प्रांगण में आयोजन किया गया। जिसमें किशोरियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा व अधिकारों के बारे में जानकारी की गयी।

पीपुल्स एवसन फॉर नेशनल इंटीग्रेशन (पानी) संस्थान ने कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यकम की शुरुआत मुख्य अतिथि किछूटी ग्राम पंचायत के प्रधान संगीता यादव ने सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके की. साथ में अन्य गणमान्य भी उपस्थिति रहे। पानी संस्थान के सीनियर एकाउन्ट प्रबन्धक ने पानी के बारे में विस्तारपूर्वक से बताया साथ ही कार्यक्रम समन्वयक रागिनी विश्वकर्मा ने किशोरी सशक्तिकरण से अवगत कराते हुए कार्यक्रम पर चर्चा की। इसी क्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने किशोरी दिवस पर अपने विचारो को साझा किया। जिसमें किशोरियों को जागरूक कर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं अधिकार पर प्रकाश डाला। अंतर्राष्ट्रीय किशोरी दिवस के इस अवसर पर स्कूल के किशोरियों व किशोर द्वारा गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर वहाँ उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लेकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से लल्लन निषाद प्रधान, राम सूरत प्रधान, इन्द्र प्रसाद पाण्डेय प्रधान, दयाशंकर तिवारी, सुरेश कुमार, राकेश प्रजापति, सुरेमनि वर्मा सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

गृहविज्ञान विभाग की छात्राओं का चिकित्सालय भ्रमण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के गृहविज्ञान विभाग की बी तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं ने बाल चिकित्सालय का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विभागाध्यक्ष डॉक्टर सीमा दुबे के नेतृत्व में छात्राओं ने बढ़ैयावीर चिल्ड्रन हॉस्पिटल में जाकर समय से पूर्व जन्मे शिशु एवं उनकी देखभाल संबंधी विभिन्न जानकारियां प्राप्त की। छात्राओं को डॉक्टर ए एन सिंह के द्वारा शिशु जन्म के तुरन्त बाद एवं शैशवास्था के दौरान देखभाल संबंधी विभिन्न महत्वपूर्ण बातें बताई गई। डॉक्टर ने गर्भावस्था के दौरान गर्भ में पल रहे शिशु की देखभाल के लिए गर्भवती स्त्री को ध्यान रखने वाली आवश्यक तथ्यों के बारे मे जानकरी दी तथा प्रीमेच्योर बेबी या गर्भ में किसी प्रकार की बीमारी से ग्रसित शिशु की देखभाल एवं उपचार के तरीक़े से अवगत कराया। साथ ही साथ छात्राओं से डॉ. एएन सिंह नें शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने एव गर्भवती स्त्री के लिए टीकाकरण, उचित खान-पान तथा जन्म के उपरांत शिशु के टीकाकरण के महत्व पर विस्तृत चर्चा की।

राष्ट्रीय खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर किया सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। लखनऊ के चैक स्टेडियम में दिनांक 18 से 20 अक्टूबर 2024 ओपन नेशनल आर्म बॉक्सिंग चैंपियनशिप आयोजित हुआ। इस चैंपियनशिप में कुल 12 राज्यों से 260 प्रतिभागीयों ने प्रतिभाग किया। जिनमें से जम्मू कश्मीर, हरियाणा, बिहार, झारखंड, वेस्ट बेंगल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, केरला, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों से खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश ने 70 अंक प्राप्त के साथ प्रथम स्थान, बिहार 17 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा हरियाणा 15 अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे।

उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी राहिल खान और मो. रेहान ने स्वर्ण पदक, मो. उजैर, नूर मोहम्मद, गुल मोहम्मद, निहाल खान, ताज मोहम्मद और मनए अग्रवाल ने रजत पदक प्राप्त किया। प्रतियोगिता को संपन्न बनाने में निर्णायक भूमिका में जो की मो. माजिद, आशुतोष शर्मा, शुभम धुरिया, अल्तमश रजा और सैय्यद एबादत हुसैन आदि रहे। आर्म बॉक्सिंग इंडिया के डायरेक्टर और महासचिव नसरुद्दीन ने सभी राज्यों के टीम कोच टीम मैनेजर का उत्साह वर्धन किया। चैंपियनशिप के उद्घाटन में पूर्व उत्तर प्रदेश खेल मंत्री ओ0पी0 सिंह और नेहरू युवा केंद्र के अध्यक्ष रामपाल मौजूद रहे।

पूर्व खेल मंत्री ओ0पी0 सिंह ने कहा कि इस खेल को जल्द ही खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक में भी शामिल किया जायेगा और वही समापन समारोह में यू०पी० ओलंपिक के संयुक्त सचिव और स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया के डायरेक्टर डॉ0 आनंद किशोर पांडे और नदीम मौजूद रहे। इन्होंने भी इस खेल को भारतीय ओलंपिक में लाने की बात कही और सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत

स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण बनाने को आगे आए निजी अस्पताल

स्वास्थ्य विभाग व द चैलेंज इनिशिएटिव-पीएसआई इंडिया के सहयोग से बैठक आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। जनपद में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संयुक्त प्रयास से शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण कार्यक्रमों के साथ ही टीकाकरण व मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से मंगलवार की देर शाम स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में द चैलेंज इनिशिएटिव (टीसीआई) व पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से स्थानीय एक निजी होटल में बैठक हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कटारिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण कार्यक्रमों व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में निजी अस्पतालों और निजी चिकित्सकों की अहम भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में जनपद के 29 निजी अस्पतालों से 19 प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और 10 अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी (फेडरेशन ऑफ़ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया) मेरठ की संरक्षक पदमश्री डॉ. उषा शर्मा, सोसाइटी की जिला अध्यक्ष डॉ. भारती माहेश्वरी, सचिव डॉ. प्रियंका गर्ग, एसीएमओ (आरसीएच) डॉ. कांति प्रसाद और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम) के नोडल अधिकारी डॉ. आरके सिरोहा भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन (बास्केट ऑफ़ च्वाइस) से सम्बन्धित आईईसी सामग्री (पोस्टर-बैनर) को निजी चिकित्सालयों में निर्धारित स्तर पर प्रदर्शित किया जाए और काउंसिलिंग के दौरान उनका इस्तेमाल किया जाए। परिवार कल्याण सेवाओं को हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल पर हर महीने निश्चित रूप से अपलोड कराना सुनिश्चित किया जाए। पीएसआई इंडिया की कार्यक्रम प्रबन्धक कोमल ने प्रसव पश्चात परिवार नियोजन सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि निजी अस्पतालों के उच्च प्रभावी हस्तक्षेप, प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं से जोड़ने, क्षमता निर्माण और आंकड़ों के संग्रह पर जोर दिया जाए ताकि योजनाओं के निर्माण में उनका सही इस्तेमाल किया जा सके। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस) चार और पांच के आंकड़ों पर तुलनात्मक चर्चा भी हुई।

इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच) डॉ. कांति प्रसाद ने कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सही मायने में धरातल पर उतारने में निजी अस्पतालों की भागीदारी बहुत जरूरी है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संयुक्त प्रयास से शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण कार्यक्रम के साथ ही महिला एवं बाल स्वास्थ्य और टीकाकरण की सुविधाओं को भी और सुदृढ़ बनाया जा सकता है। डॉ. भारती माहेश्वरी ने परिवार नियोजन सेवाओं पर विचार साझा करते हुए निजी सेवा प्रदाताओं से कहा कि वह स्वास्थ्य विभाग की अपेक्षाओं पर शत-प्रतिशत खरा उतरने की कोशिश करें ताकि जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को समुदाय तक आसानी से पहुँचाया जा सके। डॉ. उषा शर्मा ने शहरी परिवार कल्याण कार्यक्रम को और सुदृढ़ व सुगम बनाने की दिशा में पीएसआई-इंडिया द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

बैठक में डॉ. प्रियंका गर्ग ने प्रतिभागियों को स्वास्थ्य सेवाओं के संकेतकों, नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन सेवाओं विशेष रूप से प्रसवोत्तर और गर्भपात के बाद, मातृ स्वास्थ्य, प्रसव पूर्व जांच, एमटीपी आदि की नियमित रिपोर्टिंग की सलाह दी। निजी सेवा प्रदाता एचएमआईएस पोर्टल पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के साथ ही आंकड़ों को सीएमओ कार्यालय से साझा करने से पहले उसकी समीक्षा जरूर कर लें। एचएमआईएस से मनीष ने संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण, पेंटा और एमआर की समग्र एचएमआईएस की रिपोर्टिंग स्थिति को साझा किया। डिवीजनल कार्यक्रम प्रबन्धक सिफ्प्सा अरविन्द गोस्वामी ने मेरठ डिवीजन की निजी क्षेत्र की रिपोर्टिंग की स्थिति और उपलब्धि को साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि मेरठ जिला डिवीजन के अन्य जिलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। निजी सुविधाओं की रिपोर्टिंग पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, डिविजनल और जिला फेमिली प्लानिंग लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम (एफपीएलएमआईएस) प्रबंधक, डीसीपीएम, जिला एचएमआईएस ऑपरेटर, सीएमओ कार्यालय के कर्मचारी आदि भी उपस्थित रहे ।

किसानों की महापंचायत में पहुंचे आप सांसद संजय सिंह, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ /नोएडा। किसानों की महापंचायत नोएडा प्राधिकरण कार्यालय, सेक्टर-6 में जारी है, जहां आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह पहुंचे। उन्होंने आंदोलन कर रहे किसानों के समर्थन में भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला।संजय सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने एक खास रवैया अपना लिया है।

उन्होंने कहा, 'आप जब भी आंदोलन करते हैं, सरकार के अफसर आकर ज्ञापन लेते हैं और फिर चले जाते हैं। उन्हें पता है कि कुछ करना नहीं है, और मजबूरी में आपको फिर से अगला आंदोलन करना पड़ता है।' उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को 10% के बदले जो जमीन मुआवजे के तौर पर मिलनी थी, उसकी लड़ाई अब जारी है।सांसद ने स्पष्ट किया कि सरकार को जमीन देने की जिम्मेदारी निभानी पड़ेगी, चाहे आंदोलन कितना भी लंबा चले। उन्होंने भाजपा की जीत के तीन दौर—2014, 2019 और 2024—का जिक्र करते हुए कहा, 'केंद्र में मोदी जी की सरकार है और राज्य में योगी जी की सरकार है। मोदी जी वोट मांगने के समय कहते हैं कि डबल इंजन सरकार को मजबूत करना है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि भाजपा की डबल इंजन सरकार कबाड़ हो चुकी है।'

किसानों ने 1997 से सभी किसानों को 64.7 प्रतिशत मुआवजा और 10 प्रतिशत के विकसित भूखंड देने की मांग की है। इसके अलावा, उन्होंने नोएडा के 81 गांवों के आबादी क्षेत्रफल को 450 मीटर से बढ़ाकर 1000 मीटर करने, 1976 से 1997 तक के किसानों को कोटा स्कीम के तहत प्लॉट देने और स्वामित्व योजना लागू करने की भी मांग की है।

किसानों का आरोप है कि गोरखपुर में नई कानून व्यवस्था के तहत उन्हें उनकी जमीन का चार गुना मुआवजा दिया जा रहा है, जबकि गौतमबुद्ध नगर में यह मुआवजा बाजार दर से भी कम है। महापंचायत में आम आदमी पार्टी के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, यूथ विंग प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना, किसान प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अशोक कमांडो, जिलाध्यक्ष राकेश और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

लखनऊ में नगर सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण : मंत्री ने उठाए सख्त कदम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज प्रातः 7:00 बजे नगर की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम के चार वार्डों—फैजुल्लागंज -2, फैजुल्लागंज -3, अलीगंज, और लाल बहादुर शास्त्री -2—का निरीक्षण किया।प्रभारी मंत्री ने वार्डों में सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी व्यक्त की। खासकर फैजुल्लागंज -3 में उन्होंने सफाई व्यवस्था की स्थिति देखकर जोनल अधिकारी का वेतन काटने का निर्देश नगर आयुक्त को दिया। उन्होंने कसाई बाड़ा और मोहिबुल्लापुर में नालियों की सफाई पर असंतोष जताते हुए फटकार लगाई। मंत्री ने कहा कि नालियों से अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाए और उनकी नियमित सफाई कराई जाए।फैजुल्लागंज -2 वार्ड में रहीमनगर, डुडौली मार्ग और केसर नगर में जमी हुई सिल्ट की सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित सफाई कर्मियों को आज शाम तक सभी नालियों की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अलीगंज वार्ड और लाल बहादुर शास्त्री -2 वार्ड का निरीक्षण करने के दौरान, मंत्री को स्थानीय निवासियों द्वारा जलजमाव, स्ट्रीट लाइट, सर्वोदय नगर चौराहे की बेरीकेटिंग, और एसटीपी की क्षमता बढ़ाने की मांग पत्र सौंपा गया। उन्होंने सभी मांगों का गंभीरता से परीक्षण करने और समाधान का आश्वासन दिया। सुरेश कुमार खन्ना ने सभी जोनल अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर आयुक्त को खाली पड़े प्लाटों को चिन्हित कर उनके मालिकों को नोटिस देकर बाउंड्री वॉल कराने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्लाटों पर कूड़ा और गंदगी होने से बीमारियों का खतरा होता है।त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए उन्होंने घनी आबादी वाले वार्डों में एंटीलार्वा और फॉगिंग नियमित रूप से कराने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सफाई और शुद्ध पेयजल से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और दूसरों को भी जागरूक करें। निरीक्षण के दौरान लखनऊ नगर निगम की मेयर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार मिश्रा सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जनपद लखनऊ के प्रभा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राजधानी की सफाई व्यवस्था का औचक निक्षण किया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज प्रातः 7:00 बजे नगर की सफाई व्यवस्था को देखने के लिए औचक निक्षण किया। उन्होंने नगर निगम के चार वार्डो का निक्षण किया। इनमें फैजुल्लागंज -2, फैजुल्लागंज -3, अलीगंज तथा लाल बहादुर शास्त्री -2 वार्ड शामिल है।

प्रभा मंत्री ने मंत्री वार्डों में सफाई व्यवस्था को लेकर काफी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने फैजुल्लागंज -3 में निक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर करते हुए जोनल सेनेट अधिका का वेतन काटने का निर्देश नगर आयुक्त को दिया। उन्होंने निक्षण के दौरान फैजुल्लागंज -3 में कसाई बाड़ा, मोहिबुल्लापुर में नालियों की सफाई पर काफी असंतुष्ट होते हुए जोनल अधिका को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि नालियों से अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए एवं नालियों की नियमित सफाई कराई जाए। उन्होंने फैजुल्लागंज -2 वार्ड में रहीमनगर, डुडौली मार्ग व केसर नगर में ढकी नालियों को खुलवाकर उसमें जमे सिल्ट को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्र के सफाई कर्मी एवं अन्य जिम्मेदार कार्मिक उपस्थित रहकर आज शाम तक सभी नालियों की सफाई करवाएं। इसके साथ ही उन्होंने अलीगंज वार्ड तथा लाल बहादुर शास्त्री -2 वार्ड का भी निक्षण किया। लाल बहादुर शास्त्री -2 में लोगों ने मंत्री जी को एक मांग पत्र सौपा जो क्षेत्र में जलजमाव, स्ट्रीट लाइट, सर्वोदय नगर चैराहे की बेकेटिंग एवं एसटीपी की क्षमता बढ़ाने से संबंधित थी। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि इन सभी मांगो पर गंभीरता से पक्षण करते हुए उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा।

खन्ना कहा कि सभी जोनों के जोनल अधिका अपने-अपने जोन में नियमित निक्षण करें और सफाई व्यवस्था एवं नालियों की सफाई को सुनिश्चित कराएं। उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि खाली पड़े प्लाटों को चिन्हित कर उनके मालिकों को नोटिस देकर उनकी बाउंड्री वॉल कराई जाए। उन्होंने कहा कि खाली पड़े प्लाटों पर कूड़ा एवं गंदगियां होती हैं, जिससे बीमारियां फैलती हैं और मच्छर इत्यादि पैदा होते हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि त्योहा सीजन को देखते हुए घनी आबादी वाले वार्डों में एंटीलार्वा एवं फांगिग नियमित रूप से करायी जाए। साथ ही शुद्ध पेय जल की आपूर्ति के लिए जल की गुणवत्ता को भी सुनिश्चित किया जाय।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग की बैठक: शिकायतों का त्वरित निस्तारण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने मंगलवार को इंदिरा भवन, लखनऊ में विभिन्न जनपदों से प्राप्त शिकायतों पर सुनवाई की और कई मामलों का समाधान किया। आयोग ने पिछड़े वर्गों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए।बैठक में सेवानिवृत्त चालक करूणेश कुमार के लंबित मानदेय का भुगतान कर मामले का निस्तारण किया गया। आयोग ने विभाग को निर्देशित किया कि इस तरह की शिकायतों का शीघ्र निस्तारण हो।इसके अलावा, शिवकुमार के पुश्तैनी पेड़ कटवाने और पुलिस प्रताड़ना के मामले में सुनवाई हुई। इस प्रकरण में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी के प्रतिनिधि की अनुपस्थिति पर अध्यक्ष ने नाराजगी जताई और उपजिलाधिकारी तथा क्षेत्राधिकारी रामसनेहीघाट को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया।

अयोध्या विजन डॉक्यूमेंट को ध्यान में रखते हुए हों विकास कार्य : जयवीर सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यकलापों की प्रगति की समीक्षा बैठक की। पर्यटन भवन में आयोजित बैठक में संचालित परियोजनाओं की समीक्षा और विकास कार्यों के वर्तमान स्थितियों का जायजा लिया। उन्होंने विकास कार्यों की गति तेज करने, कार्यदायी संस्थाओं की समस्याओं के निस्तारण और स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर संपन्न कराने के निर्देश दिए।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने वर्ष 2023-24 की लंबित और विलंबित परियोजनाओं को समय सीमा से पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशानुसार अयोध्या के विकास मॉडल को अपनाएं। अयोध्या की तर्ज पर ड्रेनेज, सीवर, बिजली सहित अन्य कार्यों को किया जाए। अयोध्या विजन डॉक्यूमेंट को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य किए जाएं।

जयवीर सिंह ने धार्मिक स्थलों के निर्माण खासकर अयोध्या, मथुरा और वाराणसी में भव्यता का ख्याल रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, सनातन सहित अन्य धार्मिक स्थलों के निर्माण और विकास में धन की परवाह न करें। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया कि, जमीन अधिग्रहण संबंधी समस्याओं या रुकावटों को जल्द से जल्द दूर करें ताकि कार्यदायी संस्थाओं को कार्य प्रगति में किसी प्रकार का व्यवधान न आए। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को मूर्त रूप दें। उन्होंने कहा, प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में जुटी प्रदेश सरकार के प्रयासों में पर्यटन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पर्यटन विभाग के ऊपर काफी जिम्मेदारियां हैं। इस दौरान देवीपाटन धाम तीर्थ विकास परिषद को लेकर भी विमर्श हुआ। पर्यटन मंत्री बोले, बलरामपुर में इको टूरिज्म के विकास की प्रबल संभावनाएं हैं, जिसे विकसित किया जाए। जयवीर सिंह ने जनप्रतिनिधियों से संबंधित विकास कार्यों और उनसे जुड़ी समस्याओं के शीघ्र निस्तारण और सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए। सभी मंडलों के अधिकारियों को हफ्तेभर के भीतर प्रस्ताव पेश करने को कहा है। उन्होंने महाकुंभ-2025 से संबंधित कार्यों का जायजा लिया। साथ ही, बोट मैन, होम स्टे संचालकों, टूरिस्ट पुलिस, वेंडर्स, स्टो टेलिंग आदि के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रशिक्षित तथा प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने माटीकला मेला का भ्रमण कर शिल्पकारों की कलाकृतियों को सराहा

लखनऊ। प्रदेश के होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने बुधवार को उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा लखनऊ के 08 तिलक मार्ग स्थित खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड परिसर में आयोजित 10 दिवसीय माटीकला मेले का भ्रमण किया। मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने मेले में उपस्थित शिल्पकारों से बातचीत की और उनकी कलाकृतियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि माटीकला उद्योग में कार्य करने वाली छिपी प्रतिभा को उजागर करने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिससे स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा। मंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार माटीकला उद्योग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे आयोजनों से शिल्पकारों को अपने उत्पादों को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने का मौका मिलेगा। यह मेला 30 अक्टूबर, 2024 तक चलेगा, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिल्पकार मिट्टी से निर्मित अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों को 50 स्टॉलों के माध्यम से प्रदर्शित कर रहे हैं।

लखनऊ में प्रोटीन की आवश्यकता पर पैनल चर्चा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रोटीन मानव शरीर के लिए आवश्यक है, जो ऊतकों का निर्माण और मरम्मत करता है, मांसपेशियों के विकास में मदद करता है, और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होता है। प्रोटीन की कमी के कारण शारीरिक विकास प्रभावित हो सकता है, एनीमिया और कमजोरी हो सकती है, और इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ सकता है।

इसके बावजूद, भारतीय आहार में अक्सर इस आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी पाई जाती है, जिसके कारण 70 प्रतिशत से अधिक आबादी प्रोटीन की कमी से प्रभावित है।उपभोक्ताओं को अपने दैनिक आहार में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा को शामिल करने के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से, आल्मंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया ने लखनऊ के फेयरफील्ड मैरियट में ₹सपोर्टिंग द डेली प्रोटीन नीड्स ऑफ इंडियन फैमिलीज विद ए हैंडफुल ऑफ आल्मंड्स₹ विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। इस चर्चा में जाने-माने शेफ और भारत के पहले

मास्टरशेफ विजेता पंकज भदौरिया, सेलीब्रेटी विरिका सोलंकी, और मैक्स हेल्थकेयर में रीजनल हेड ऑफ डायटेटिक्स रितिका समद्दर ने भाग लिया।आरजे समरीन ने प्रोटीन के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि भारतीयों के बीच इस विषय पर जागरूकता का अभाव है। डायटीशियन रितिका समद्दर ने बताया कि प्रोटीन मांसपेशियों के विकास, इम्यून हेल्थ, और शरीर में ऊर्जा स्तर बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रोटीन केवल मांस और मछली से ही नहीं मिलता, बल्कि बादाम भी प्रोटीन का एक महत्वपूर्ण वनस्पति स्रोत हैं।समद्दर ने आईसीएमआर और एनआईएन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए प्रोटीन सप्लीमेंट्स के अत्यधिक सेवन के जोखिमों की चर्चा की और कहा कि बादाम को संतुलित आहार में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि बादाम शरीर के ऊर्जा स्तर को बढ़ाने और स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करते हैं।पंकज भदौरिया ने बादाम के विभिन्न उपयोगों के बारे में बताया और कहा कि ये कच्चे, भुने हुए, या आटा बनाकर सेवन किए जा सकते हैं। विरिका सोलंकी ने प्राकृतिक प्रोटीन स्रोतों के महत्व पर जोर दिया, और कहा कि बादाम हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं।पैनल चर्चा के बाद, पंकज भदौरिया ने लाइव कुकिंग का प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने भोजन में बादाम शामिल करने के सरल और रचनात्मक तरीकों की जानकारी दी।

रितिका समद्दर ने कहा, ₹भारतीय आहार में प्रोटीन की कमी एक आम समस्या है, लेकिन बादाम जैसे वनस्पति स्रोत इसे दूर करने का एक आसान तरीका हैं।₹विरिका सोलंकी ने भी बादाम को अपने दैनिक आहार में शामिल करने के अपने अनुभव साझा किए, जिन्हें वह अपने साथ हमेशा रखती हैं।इस पैनल चर्चा ने प्रोटीन के महत्व और बादाम के स्वास्थ्य लाभों को रेखांकित किया, जिससे दर्शकों को अपने दैनिक आहार में प्रोटीन स्रोतों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।कैलिफोर्निया के बादाम प्राकृतिक, संपूर्ण और उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ हैं। आल्मंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया कैलिफोर्निया में 7,600 से अधिक बादाम उत्पादकों और प्रोसेसरों की ओर से बादामों की मार्केटिंग, फार्मिंग और प्रोडक्शन के सभी पहलुओं पर शोध आधारित दृष्टिकोण अपनाता है।

अल्पसंख्यक राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर मदरसों के आधुनिकीकरण एवं अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के शैक्षिक, आर्थिक, शारिक व मानसिक विकास से संबंधित योजनाओं के संचालन का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा मे व्यापक सुधार हेतु आपका नेतृत्व अत्यंत सरहानीय एवं प्रेरणादायक है। मदरसा आधुनिकीकरण योजना स्कीम फॉर प्रोवाईडिंग एजुकेशन टू मदरसा एन्ड माइनॉरिटीज (एसपईएमएम) का आरम्भ किया गया। यह योजना अल्पसंख्यक समाज के छात्रों को मुख्यधारा में लाने और उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इय योजना के तहत आधुनिक विषयों की पढ़ाई करवाने वाले शिक्षाकों के मानदेय को केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता रहा है, परन्तु वर्तमान में इस योजना के क्रियान्वयन में कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।

परिवहन मंत्री ने प्रोत्साहन अवधि में (पर्व अविध) अतिरिक्त बसों के संचालन के दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने आगामी दीपावली एवं छठ पर्व पर (प्रोत्साहन अवधि) प्रदेश के लोगों को उनके गन्तव्य तक सुरक्षित एवं सुगम्य यात्रा के लिए अतिरिक्त परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 29 अक्टूबर, 2024 से 10 नवम्बर, 2024 तक अधिक से अधिक बसें संचालित की जाएं। पूर्वांचल में बड़े पैमाने पर छठ पर्व का आयोजन होता है। इस पर्व पर महानगरों में रहने वाले पूर्वांचल के बहुत से लोग अपने गन्तव्य को जाते हैं। इसके दृष्टिगत सुव्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश परिवहन मंत्री ने दिए है। परिवहन मंत्री ने कहा कि दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के यात्रियों को आवागमन के लिए अधिक संख्या में बसें चलायी जाएं। लखनऊ व कानपुर नगरों के लिए भी इस अवधि में अतिरिक्त बसों के संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों से यदि गाजियाबाद व दिल्ली एवं पश्चिमी क्षेत्रों के लिए प्रारम्भिक प्वाइंट से 60 प्रतिशत से अधिक लोड फैक्टर मिलने पर पूर्वी क्षेत्र से भी अतिरिक्त सेवाएं संचालित की जाएं। भैय्यादूज के अवसर पर स्थानीय व निकट जनपदों में अधिक आवागमन होता है। ऐसे स्थानीय स्तर पर क्षेत्रीय अधिका आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

परिवहन मंत्री ने प्रोत्साहन अवधि में निगम बसों को शतप्रतिशत ऑनरोड करने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि बसों की असेम्बलीज व स्पेयर पाट्र्स की उपलब्धता भी परिवहन निगम के अधिका सुनिश्चित करा लें। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में अनफिट बसों का संचालन न किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रोत्साहन अवधि में अतिविशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अधिकारियोंध्कार्मिकों का अवकाश स्वीकृत न किया जाए। उन्होंने अधिकारियोंध्कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर पद्धति से लगाने के निर्देश दिए। परिवहन मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रोत्साहन अवधि में अनुबन्धित बसों को अवकाश स्वीकृत न किया जाए। वाहन स्वामियों को सूचित कर दिया जाए कि अनुबन्ध पर लगी बसों का मरम्मत कराकर संचालन के लिए बसों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रवर्तन दल क्षेत्रों में निकल कर जांच करें। सभी चालकों और परिचालकों का ब्रेथ एनेलाइजर टेस्ट किया जाए, जिससे कि सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सके। प्रबन्ध निदेशक परिवहन निदेशक मासूम अली सरवर ने आश्वस्त किया कि परिवहन मंत्री के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि सभी क्षेत्रीयध्सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धकों को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। प्रोत्साहन अवधि में सुरक्षित एवं सुगम यात्रा प्रदेश के लोगों को उपलब्ध करायी जायेगी। प्रबन्ध निदेशक परिवहन निदेशक मासूम अली सरवर ने बताया कि प्रोत्साहन अवधि में चालकोंध्परिचालकों एवं कार्मिकों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। उन्होंने बताया कि ऐसे चालकध्परिचालक जिसमें संविदा तथा आउटसोर्सिंग के चालकध्परिचालक भी शामिल हैं, जो न्यूनतम 12 दिवसों में उपस्थित होकर दैनिक रूप से निर्धारित औसत 300 किमी0 प्रतिदिन का संचालन करते हैं।

कथाकार गौरापंत शिवानी एवं कवि अदम गोंडवी स्मृति समारोह सम्पन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा कथाकार गौरापंत शिवानी एवं कवि अदम गोंडवी स्मृति समारोह के शुभ अवसर पर आज एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हिन्दी भवन के निराला सभागार लखनऊ में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ0 शिवानी पाण्डेय ने कहा कि रचनाकारका व्यक्तित्व उसकी रचनाओं में परिलक्षित होता है। रचनाकार शिवानी का घर किसी साहित्यिक केन्द्र से कम नहीं था। शिवानी को बाल्यकाल में पढ़ने का वातावरण उन्हें परिवार से ही मिला, जिसमें उनके माता-पिता का बड़ा योगदान रहा। उनका परिवार समाज सेवा की भावना से ओत-प्रोत रहा है। शिवानी ने बचपन में ही संस्कृत भाषा का अध्ययन प्रारम्भ कर दिया था। शिवानी को बंग्ला भाषा व संगीत का काफी अच्छा ज्ञान था। शिवानी को रवीन्द्रनाथ टैगोर का काफी सानिध्य प्राप्त हुआ। शिवानी की रचना 'कृष्णकली' में नृत्यकला के ज्ञान का रुपायन मिलता है। शिवानी ने विभिन्न धर्मों को आत्मसात किया। शिवानी के साहित्य में समन्वयवाद व शंवेदनशीलता के तत्व भी उपलब्ध हैं। आचार्य हजा प्रसाद द्विवेदी ने शांति निकेतन में शिवानी को हिन्दी भाषा का प्रारम्भिक मार्गदर्शन किया। शिवानी के व्यक्तित्व पर बंकिमचन्द्र चटर्जी, अमृतलाल नागर व धर्मवीर भारती का काफी प्रभाव पड़ा। डॉ0 प्रकाश चन्द्र गिरि ने कहा कि अदम गोंडवी जी का जन्म एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में हुआ था। अदम गोंडवी ने कम लेखन करके भी कालजयी रचनाकार बन गये। उनकी रचना 'समय से मुठभेड़' काफी चर्चित है। उनकी रचनाओं में संप्रेषणीयता के तत्व विद्यमान हैं। वे एक सिद्धहस्त रचनाकार थे। वे छन्दबद्ध शैली में रचना करते थे। अदम गोंडवी पर आज देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध कार्य हो रहे हैं तथा पढ़ाये भी जा रहे हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अयोध्या के रामघाट हाल्ट और स्वामीनारायण छपिया स्टेशनों का कार्य पूरा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत अयोध्या स्थित रामघाट हाल्ट और स्वामीनारायण छपिया स्टेशन का कार्य पूरी तरह से संपन्न हो गया है। यह योजना भारतीय रेलवे के प्रमुख स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए बनाई गई है, जो अगले 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित की जा रही है।इस योजना में स्टेशनों की पहुंच, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, लिफ्ट/एस्केलेटर, मुफ्त वाई-फाई, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। योजना के तहत देश भर में 1,350 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें उत्तर प्रदेश के 157 स्टेशन भी शामिल हैं।

रामघाट हाल्ट स्टेशन

रामघाट हाल्ट स्टेशन को 8 करोड़ 2 लाख रुपये की लागत से अपग्रेड किया गया है। इसमें नए सुविधाओं के साथ-साथ पुरानी सुविधाओं का भी नवीनीकरण किया गया है। स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म सरफेस, और स्टेशन परिसर में उन्नत सुविधाएं जैसे कोच गाइडेंस सिस्टम, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, और डिजिटल घड़ियाँ स्थापित की गई हैं।

स्वामीनारायण छपिया स्टेशन

स्वामीनारायण छपिया स्टेशन में 12 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से कार्य किया गया है। यहां भी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म सरफेस, और अन्य आधुनिक सुविधाएं स्थापित की गई हैं।

अन्य स्टेशनों का विकास

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बस्ती, खलीलाबाद और मगहर स्टेशन के विकास कार्य भी चल रहे हैं। बस्ती स्टेशन में 17 करोड़ 89 लाख रुपये की लागत से काम चल रहा है, जबकि खलीलाबाद स्टेशन पर 18 करोड़ 89 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मगहर स्टेशन को 6 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से अपग्रेड किया जा रहा है।

रेलवे मंडल द्वारा डेंगू बुखार की रोकथाम हेतु अभियान पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में डेंगू बुखार की रोकथाम के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत रेलवे कार्यालयों, स्टेशनों और कॉलोनियों में सफाई अभियान और जागरूकता रैलियों का आयोजन किया जा रहा है।मंडल के स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा डेंगू बुखार के लक्षणों की पहचान और उपचार के लिए जागरूकता बढ़ाई जा रही है। डेंगू मच्छर ज्यादातर दिन के समय सक्रिय होते हैं और साफ पानी में अंडे देते हैं। इसके लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और चकत्ते शामिल हैं।डेंगू से बचाव के लिए लोगों को साफ-सफाई और सावधानियों का पालन करने की सलाह दी जा रही है, जैसे पानी को जमा न होने देना और मच्छरदानी का उपयोग करना। इस अभियान का उद्देश्य सभी लोगों को डेंगू बुखार से बचाना और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

कांग्रेस ने खड़े किए हाथ, उत्तर प्रदेश में नहीं लड़ेगी उपचुनाव

यूपी में होने वाले विधान सभा के उप चुनाव में एनडीए और इंडी गठबंधन में शमिल राजनैतिक दलों के बीच मतभेद खुलकर समाने आ गया है। चुनाव में बीजेपी और समाजवादी पार्टी अपर हैंड में नजर आ रही हैं। वहीं देश की सबसे पुरानी राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस को समाजवादी पार्टी के सामने तो संजय निषाद की पार्टी को बीजेपी नेताओं के सामने सीटों के लिये चिरौरी करना पड़ रही है।

कांग्रेस का तो यह हाल है कि वह यही नहीं समझ पा रही है कि चुनाव लड़े या नहीं। इससे हास्यास्पद क्या हो सकता है कि लोकसभा चुनाव के समय यूपी में हुआ सपा व कांग्रेस का गठबंधन तो बना रहेगा पर कांग्रेस विधानसभा उपचुनाव में एक भी सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी। ऐसा इसलिये नजर आ रहा है क्योंकि कांग्रेस नहीं चाहती है कि यूपी में लोकसभा चुनाव में मिली जीत के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच का जोश किसी वजह से फीका पड़ जाये। कांग्रेस के चुनाव नहीं लड़ने की जो सबसे बड़ी बात समझ में आ रही हैं उसके अनुसार कांग्रेस को अपने हिस्से आईं खैर व गाजियाबाद सीटों पर भाजपा से मुकाबला करना आसान नहीं दिख रहा है। माना जा रहा है कि इसके चलते ही कांग्रेस अब इन दोनों सीटों को भी सपा की झोली में डालने का मन बना चुकी है। वैसे कुछ लोग इस बात की भी आशंका जता रहे हैं कांग्रेस ने सम्मानजनक सीटें नहीं मिलने की वजह से अपने आप को चुनाव की रेस से बाहर किया है।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि जल्द ही चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा हो जाएगी। कहा जा रहा है कि कांग्रेस की नजर उप चुनाव पर नहीं आने वाले विधानसभा चुनाव पर है। इसलिए कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली जीत से कार्यकर्ताओं में उपजे हौसले को बरकरार रखना चाहती है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उपचुनाव में हार से कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटेगा। पार्टी के लिए यह समय संगठन को मजबूत करने व कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाए रखने का है। कांग्रेस का मुख्य मकसद भाजपा को हराना है और इसके लिए कांग्रेस सभी सीटों पर सपा प्रत्याशियों को जिताने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएगी।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने भी यह संदेश केंद्रीय नेतृत्व को दे दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सपा को एक भी सीट नहीं दी थी। आईएनडीआईए में शामिल सहयोगी दलों से कांग्रेस की खींचतान भी देखने को मिलती रही है। लोकसभा चुनाव में सपा ने 80 में से केवल 17 सीटें कांग्रेस को दी थीं। कांग्रेस इनमें से सात सीटें जीतकर अपनी साख बचाने में कामयाब रही थी और अब प्रदेश में संगठन को नए सिरे से खड़ा करने का प्रयास हो रहा है। कांग्रेस दो सीटें छोड़कर सहयोगी दलों को अपने त्याग का संदेश भी देना चाहेगी। उधर,यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने उपचुनाव के लिए पांच सीटों पर दावेदारी का प्रस्ताव केंद्रीय नेतृत्व को दिया था। सपा के सात सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित करने के बाद यह पूरी तरह से साफ हो गया था कि उत्तर प्रदेश में साइकिल वाले दल का पलड़ा भारी है। कांग्रेस ने उसके हिस्से आईं दो सीटों को बदलवाने का प्रयास भी किया पर बात नहीं बनी। कांग्रेस ने खैर व गाजियाबाद के बदले फूलपुर व मझवां सीट उसे दिए जाने का प्रस्ताव भी दिया पर सपा इसके लिए राजी नहीं हुई। इसके बाद कांग्रेस ने सभी सीटों से अपनी दावेदारी छोड़ने का मन बना लिया है।

गाजियाबाद की बात करें तो लोकसभा चुनाव में यहां कांग्रेस की डाली शर्मा चुनाव मैदान में थीं और भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग ने उन्हें 3,36,965 मतों के भारी अंतर से हराया था। गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में अतुल गर्ग को 1,37,206 वोट मिले थे और डाली शर्मा को 73,950 वोट ही मिले थे। वहीं अलीगढ़ सीट सपा के हिस्से थी। बात एनडीए के सहयोगी निषाद पार्टी की कि जाये तो वह भी उपचुनाव में लड़ने को तैयार है। पार्टी के अध्यक्ष व मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने बताया कि मझंवा व कटेहरी विधानसभा सीट पर हम अपने चुनाव चिन्ह पर प्रत्याशी लड़ाएगें। उन्होंने कहा कि भले ही भाजपा हो, लेकिन चुनाव चिन्ह निषाद पार्टी का होना चाहिए।

आखिर कब तक थमेंगे जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले?

आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके!

कमलेश पांडे

लीजिए, जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकवादी हमला हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह नृशंस वारदात किसकी शह पर हुई और किसकी नीतिगत लापरवाही से हुई, यह पुनः विमर्श का विषय है! क्योंकि हमारे देश में ऐसी घटनाएं आए दिन की बात हो चली हैं और राष्ट्र के किसी न किसी हिस्से में घटित होती रहती हैं। आखिर इस घटना के क्या मायने हैं, इस पर विचार करने से पहले एक सुलगता हुआ सवाल मेरे मनमस्तिष्क में कौंध रहा है कि आखिरकार 'खूनी होते जा रहे लोकतंत्र' और इसको 'संरक्षित करने वाले संवैधानिक तंत्र' के पास ऐसी वहशी वारदातों को रोकने के लिए अबतक कोई स्थायी मूलमंत्र क्यों नहीं मिला है? आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! यदि नहीं, तो क्यों नहीं? आम जनता को जवाब चाहिए। क्योंकि इस बद से बदतर स्थिति के लिए हमारी राजनीति और उसके इशारे पर थिरकने वाला प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार अवश्य है। बस इसके न्यायसंगत पड़ताल की जरूरत है, जो बीते कई दशकों से नहीं हो पा रही है!

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने एक और कायराना हमला करते हुए 7 मेहनतकश लोगों की उस वक्त जान ले ली, जब वो खाना खाने के लिए मेस में बैठे हुए थे। इस आतंकी वारदात में मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल निर्माण में लगे 6 कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनमें से 5 लोग बाहरी राज्यों से थे। उनमें 2 अधिकारी वर्ग के और 3 श्रमिक वर्ग के थे। वहीं, इस नृशंस हमले में 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला सोनमर्ग इलाके में हुआ और घटना के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। यह हमला रात करीब 8:30 बजे हुआ, जब सभी कर्मचारी खाना खाने के लिए मेस में एकत्र हुए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, जब कर्मचारी मेस में भोजन कर रहे थे, तभी 3 आतंकी वहां पहुंचे और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले कि कोई प्रतिक्रिया कर पाता, आतंकी हमला करके वहां से फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो वाहन भी आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। खबरों के अनुसार, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (TRF) ने ली है। जिसकी अविलंब कमर तोड़ देनी चाहिए। मसलन, प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि जिन श्रमिकों पर हमला हुआ, वे जेड मोड़ सुरंग परियोजना में काम कर रहे थे, जो गगनगीर घाटी को सोनमर्ग से जोड़ने वाली एक सुरंग है। इसका निर्माण उत्तर प्रदेश की एप्को नामक कंपनी द्वारा किया जा रहा है और इसे 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके चलते वहां तेजी से काम चल रहा था।

सवाल है कि जब धारा 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में नई सरकार का गठन हुआ है और नेशनल कांफ्रेंस के चीफ उमर अब्दुल्ला ने घाटी में सरकार बनाई है, तब यह बड़ा सवाल है कि आखिर में आतंकियों के असल निशाने पर क्या था? क्योंकि नई सरकार बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहली आतंकी वारदात हुई है। वहीं, दूसरा सवाल यह है कि क्या आतंकियों के निशाने पर घाटी के विकास कार्यों को रोकना है? यदि ऐसा है तो यह बेहद खौफनाक है। मेरा स्पष्ट मानना है कि घाटी के विकास को परवान चढ़ा रहे मजदूरों को निशाना बनाकर आतंकियों ने बड़ी कायरता और मूर्खता का परिचय दिया है।

सवाल है कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के बाद यह पहला ऐसा मौका है जब विकास की परियोजना पर आतंकियों ने सीधे हमला किया है। जिस टनल के लिए यह मजदूर काम कर रहे थे वो भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में से एक है। इस साल कश्मीर में टीआरएफ का ये पहला बड़ा हमला है। इससे पहले इस साल जम्मू में इस संगठन ने आतंकी हमले को अंजाम दिया। भले ही केंद्रीय गृह सचिव ने इस आतंकी हमले की जानकारी जम्मू कश्मीर डीजीपी से ली और आतंकियों के खिलाफ चल रहे काउंटर ऑपरेशन का भी ब्योरा लिया। जानकारों का कहना है कि इस साल जितने भी बड़े आतंकी हमले हुए हैं, वह जम्मू में हुए हैं। लेकिन यह पहली बार है जब कश्मीर में इस साल इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है।

वहीं, पहली बार ऐसा हुआ है कि स्थानीय (लोकल) और बाहरी (नॉन लोकल) दोनों को टारगेट किया गया है। इससे साफ है कि विकास परियोजनाओं में शामिल लोगों के हौसले को पस्त करने की खौफनाक रणनीति अब आतंकी संगठन भी अपना रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। क्योंकि गांदरबल में जिस टनल के पास यह आतंकी हमला हुआ है, वह आल वेदर रोड है, जिसका निर्माण पिछले कुछ सालों से चल रहा है। यह रोड़ सीधे गांदेरबल से सोनमर्ग और वहां से लेह को कनेक्ट करता है। एक सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की सरकार के गठन के महज चार दिनों के बाद ही आतंकवादियों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ही विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में इतना बड़ा आतंकी हमला क्यों बोला है और इसके जरिए आतंकियों ने क्या संदेश देने की जुर्रत की है। क्योंकि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे के ऐलान और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के मात्र चार दिनों के अंदर आतंकियों ने गांदरबल में आतंकी हमला बोला है। जहां उन्होंने गुंड इलाके में सुरंग के निर्माण पर काम कर रही एक निजी कंपनी के लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई।

दरअसल, यह आतंकी हमला सियासी रूप से भी काफी अहम है। क्योंकि जिस इलाके में यह हमला हुआ है, वह सीएम उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल के अधीन आता है और यहां से उमर अब्दुल्ला ने जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने बहुमत हासिल कर सरकार का गठन किया है। क्या 370 की बहाली पर चुप्पी साधकर और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलवाए जानें की सीएम उमर की रणनीति से आतंकवादी नाखुश हैं, क्योंकि जम्मूकश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने के उमर कैबिनेट के प्रस्ताव को अब LG की मंजूरी का इंतजार है, जो देर-सबेर मिल ही जाएगी। समझा जा रहा है कि चूंकि जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन के बाद उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात कर रहे हैं। उन्होंने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का वादा किया है। वो जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों को साथ लेकर चलने की बात कर रहे हैं। साथ ही वह कश्मीर से विस्थापित हुए पंडितों की बात कर रहे हैं।

अजब-गजब

'सर मेरी शादी है, दो दिन की लीव चाहिए', Boss ने एक कारण बताकर कर दिया रिजेक्ट

आपने कर्मचारियों को ऑफिस से छुट्टी न मिलने का दुखड़ा रोते हुए तो सुना होगा, लेकिन क्या हो जब किसी को खुद की शादी के लिए छुट्टी देने से बॉस मना कर दे, वो भी सिर्फ दो दिन के लिए। जी हां, ऐसा सच में हुआ है और अब सोशल मीडिया पर लोग 'टॉक्सिक' बॉस की जमकर आलोचना रहे हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह बात कर्मचारी ने नहीं, बल्कि कंपनी के सीईओ ने खुद सोशल मीडिया पर सार्वजनिक की थी।

चौंकाने वाला यह मामला एक ब्रिटिश मार्केटिंग कंपनी का है, जिसके सीईओ लॉरेन टिकनर ने यह कहकर सोशल मीडिया पर हंगामा खड़ा कर दिया कि उन्होंने अपनी एक फीमेल इम्प्लॉई की दो दिन की लीव रिजेक्ट कर दी, जो उसने खुद की शादी के लिए मांगी थी। हालांकि, बवाल मचने के बाद लॉरेन ने अपने फैसले को सही ठहराने के लिए थ्रेड्स पर एक के बाद एक पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने दावा किया कि कर्मचारी पहले ही ढाई हफ्ते की छुट्टी ले चुकी थी और खुद के बदले किसी और को काम करने के लिए वह प्रशिक्षण देने में असफल रही थी। ऐसे में अगर उसे छुट्टी दे दी गई होती, तो कंपनी के दो प्रोजेक्ट्स अधर में लटक जाते।

सीईओ का कहना है कि छुट्टी रिजेक्ट करने की एक ही वजह थी और वो यह थी कि महिला कर्मचारी का कोई रिप्लेसमेंट नहीं मिला। लॉरेन ने कहा, टीम पर पहले से ही प्रेशर था और टाइम लिमिट होने से कर्मचारी को साफ शब्दों में कहा गया था कि अगर उसे लीव चाहिए, तो जल्द से जल्द अपना रिप्लेसमेंट ढूंढे और उसे ट्रेन करे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

हालांकि, लॉरेन की दलील से सोशल मीडिया यूजर्स असंतुष्ट नजर आए। कई लोगों ने उन्हें टॉक्सिक बॉस करार देते हुए कहा कि ऐसे लोगों के साथ कौन काम करना पसंद करेगा, जो कर्मचारी की हितों का खयाल नहीं रख पाता हो। वहीं, कई लोगों ने सवाल किया कि किसी अन्य को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी किसी कर्मचारी की कैसे हो सकती है। इसके अलावा कुछ लोगों ने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर आपकी कंपनी का कोई प्रोजक्ट दो दिन के लिए एक इम्प्लॉई के बिना नहीं चल सकता, तो इससे बड़ी कोई विफलता नहीं है।

ब्लॉग

मुंबई में लौट आया है संगठित अपराधों का दौर?

विद्याधर दाते

सिद्दीकी अपनी ग्लैमरस इफ्तार पार्टियों के लिए प्रसिद्ध थे जिनमें बॉलीवुड सितारे शामिल होते थे। वे विशेष रूप से सलमान खान और संजय दत्त जैसे फिल्मी सितारों के साथ अपनी नजदीकियों के लिए जाने जाते थे।

बाबा सिद्दीकी बांद्रा पश्चिम से विधायक चुने गए थे जो कभी 'उपनगरों की रानी' कहलाता था। बिल्डर इसे एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में देखते हैं और बिल्डरों के बढ़ते दबाव के कारण अब बांद्रा का आकर्षण कम हो रहा है। पूर्व में बहुत सामान्य लोग बांद्रा पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे जिसका एक उदाहरण सदानंद वर्दे हैं जो 1970 के दशक में शिक्षा मंत्री थे।

एक समय था जब मुंबई में दिन-दहाड़े गोलीबारी होती थी, गैंगस्टर खुले आम घूमते थे और शहर की सड़कों पर अपने दुश्मनों को अपनी मर्जी से उड़ा देते थे। दशहरे की रात (12 अक्टूबर) को बांद्रा के टोनी उपनगर में महाराष्ट्र के विवादास्पद पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद लगता है कि कुछ ऐसा ही माहौल वापस आ गया है। सिद्दीकी बॉलीवुड सितारों के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों के लिए मशहूर थे। 66 वर्षीय सिद्दीकी को कार में आए हत्यारों ने गोली मारी। हत्यारों के मुंह रूमालों से ढंके हुए थे। अपने लक्ष्य पर करीब से गोली चलाने के बाद वे भाग निकले। पुलिस ने इस वारदात को कॉन्ट्रैक्ट किलर की करतूत बताया है। संगठित अपराध शैली में की गई यह हत्या राजनेता-बिल्डर-अंडरवर्ल्ड गठजोड़ की शक्ति, पहुंच और कानून-व्यवस्था की अवमानना का संकेत देती है, जो भारत के सबसे मशहूर शहर मुंबई के अपराध मुक्त होने के दावे को चुनौती दे रही है।

सिद्दीकी अपनी ग्लैमरस इफ्तार पार्टियों के लिए प्रसिद्ध थे जिनमें बॉलीवुड सितारे शामिल होते थे। वे विशेष रूप से सलमान खान और संजय दत्त जैसे फिल्मी सितारों के साथ अपनी नजदीकियों के लिए जाने जाते थे। सिद्दीकी की हैसियत सिर्फ एक पूर्व विधायक, एक पूर्व मंत्री या बांद्रा पश्चिम उपनगर के प्रतिनिधि से कहीं अधिक थी। वे उस इलाके से थे जहां बॉलीवुड फिल्मी सितारों में से कुछ सबसे बड़े लोगों के घर हैं। 2013 की एक तस्वीर में कांग्रेस पार्टी के तत्कालीन सदस्य बाबा सिद्दीकी सुपरस्टार सलमान खान और 'किंग खान कहे जाने वाले शाहरुख खान के गलों में हाथ डाले दिखाई दे रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी के लंबे समय से सदस्य, पूर्व मंत्री और सिनेस्टार व दिवंगत सांसद सुनील दत्त के सर्वाधिक करीबी सहयोगी रहे सिद्दीकी ने अपने खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की जांच के मद्देनजर इस साल की शुरुआत में पार्टी छोड़ दी थी और फिलहाल भाजपा के साथ महाराष्ट्र में सत्ता में भागीदार अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उसके बाद ईडी का मामला कभी आगे नहीं बढ़ा। इन अर्थों में जिस व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की गई, वह सत्तारूढ़ पार्टी का कार्यकर्ता था, जिसकी हत्या उस समय हुई जब सभी राजनीतिक दल महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए जी-जान से जुटे हैं। उल्लेखनीय है कि बाबा सिद्दीकी को एक पखवाड़े पहले जान से मारने की धमकी मिली थी जिसके बाद उन्हें 'वाई श्रेणी की राज्य सुरक्षा प्रदान की गई थी। इन सबके बावजूद हिटमैन अपना काम कर गुजरे। सरकारी कहानी यह है कि यह हत्या लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व वाले गिरोह की करतूत है। हत्या का कारण सिद्दीकी की सलमान खान के साथ कथित नजदीकी को बताया जा रहा है। सलमान खान पर आरोप है कि उसने 1998 में कथित तौर पर एक काले हिरण का शिकार किया था जिसे बिश्नोई समुदाय पवित्र व पूजनीय मानता है। इसी वर्ष अप्रैल में सलमान खान के घर पर गोलियां चलाई गई थीं। इस सिलसिले में गिरफ्तार आरोपियों में से एक अनुज थापन के बारे में कहा जाता है कि उसने पुलिस हिरासत में आत्महत्या कर ली जिसने उस मामले में एक नया मोड़ दे दिया। अब सलमान खान के सभी दोस्त और सहयोगी बिश्नोई गिरोह के निशाने पर हैं, लेकिन सिद्दीकी की हत्या के बाद घटनाक्रम में इतनी तेजी के साथ बदलाव हो रहे हैं जिसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह कम महत्वपूर्ण नहीं है कि बिश्नोई इस समय गुजरात में हिरासत में हैं। इसके अलावा पुलिस ने सिद्दीकी मामले में उसी रात आनन-फानन में दो गिरफ्तारियां कीं और इस समय तक एक और आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार किया गया तीसरा व्यक्ति उस व्यक्ति का भाई है जिसने बिश्नोई गिरोह के गुर्गे के रूप में हत्या में शामिल होने का दावा किया था। क्या मामला इतना सरल हो सकता है जितना कि बताया जा रहा है?

बाबा सिद्दीकी को जमीन और रियल एस्टेट कनेक्शन के लिए भी जाना जाता था जिसने मुंबई में बिल्डरों की भूमिका को उजागर करते हुए शहर का पूरा परिदृश्य बदल दिया और कई मायनों में शहर की तरक्की के साथ मुंबई को कांक्रीट का बदसूरत जंगल बनाने में भी योगदान दिया है। कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण कई इमारतें अधूरी छोड़ दी गईं। रियल एस्टेट में निवेश करने वाले अधिकांश लोगों ने देखा है कि उनके निवेश को आकर्षक रिटर्न नहीं मिलता हैं जैसा किसी समय आवासीय परियोजनाओं में मिलता था। इसके बावजूद मुंबई में भूमि का आकर्षण और रिटर्न देने की इसकी क्षमता हमेशा की तरह आकर्षक है जिसने मुंबई को भारत का सबसे समृद्ध शहर बनाए रखा है। इसके अलावा बाजार की बदलती परिस्थितियों ने बिल्डरों और परियोजनाओं पर भी दबाव डाला है जिनमें से कई की पूरा करने की प्रतिबद्धता हो सकती है पर मुंबई में आवास के लिए विकसित बाजार में व्यवहार्य से कम रिटर्न हो सकते थे। कुछ मामलों में राजनेता खुद भूमि सौदों और बिल्डरों से करीब से जुड़े हुए हैं जैसा कि बाबा सिद्दीकी कथित तौर पर करते थे या राजनेता खुद बिल्डर हैं, जैसे कि उपनगरीय मुंबई के भारतीय जनता पार्टी के पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा। लोढ़ा और उनका रियल एस्टेट व्यवसाय समूह शायद अकेले ही अपने दबदबे के लिए और मुंबई को नया आकार देने, कीमतों को बढ़ाने, इसे अमीरों के लिए मुफीद बनाने तथा औसत या गरीब निवासियों के प्रति विरोधपूर्ण रवैये के लिए स्पष्ट रूप से जाने जाते हैं।

बाबा सिद्दीकी बांद्रा पश्चिम से विधायक चुने गए थे जो कभी 'उपनगरों की रानी कहलाता था। बिल्डर इसे एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में देखते हैं और बिल्डरों के बढ़ते दबाव के कारण अब बांद्रा का आकर्षण कम हो रहा है। पूर्व में बहुत सामान्य लोग बांद्रा पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे जिसका एक उदाहरण सदानंद वर्दे हैं जो 1970 के दशक में शिक्षा मंत्री थे। वर्दे समाजवादी विचारधारा के थे एवं बांद्रा के नेशनल कॉलेज में अर्थशास्त्र के व्याख्याता थे। एक अन्य प्रतिनिधि सलीम जकारिया एक उपनगर में स्कूल शिक्षक थे जो राज्य के शिक्षा मंत्री भी बने। बांद्रा से ताल्लुक रखने वाले एक और शख्स रामदास नायक थे जो मोदी-शाह नेतृत्व से पहले के दिनों से मुंबई भाजपा के नेता थे। अगस्त 1994 में दाऊद इब्राहिम गिरोह के सदस्यों ने एके 47 राइफल से गोलियों की बौछार कर नायक और उनके अंगरक्षक की हत्या कर दी थी।

नायक उस समय 52 साल के थे। बांद्रा में हिल रोड का नाम उनकी याद में रखा गया है। नायक भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष थे और भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाने वाले वह व्यक्ति थे जिन्होंने कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री एआर अंतुले के खिलाफ सीमेंट घोटाले के आरोपों को उजागर करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। नायक ने कुछ बिल्डरों के खिलाफ भी मोर्चा खोला था। अब तस्वीर बहुत अलग है। मामले सुलझाने के लिए त्वरित प्रस्ताव सामने रखे जाते हैं। मामलों को आसानी से हल हुआ मान लिया जाता है। यह स्थिति लोगों या अधिकारियों को कभी भी मामले की पूरी भयावहता सामने लाने की अनुमति नहीं देगी कि वास्तव में क्या गलत हो रहा है या मामले के सूत्र किसके हाथ में हैं और मुंबई में वापस लौट रहे संगठित अपराधों के पीछे वास्तव में किसका हाथ है।

कार में बैठी लड़की को देख दारोगा की डोल गई नियत, सिपाहियों ने कर दी शिकायत, हुआ ये एक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश का कानपुर जिला... यहां रहने वाली एक लड़की का दूसरे समुदाय के लड़के संग अफेयर था। घर वालों को यह रिश्ता बिल्कुल भी मंजूर नहीं था। इसलिए लड़की एक दिन अचानक घर से भाग गई। घर वालों ने उसे ढूंढने के लिए पुलिस से मदद मांगी। पता चला लड़की इस वक्त मुंबई में है। दारोगा को जिम्मेदारी दी गई कि वो सही सलामत लड़की को वापस कानपुर लेकर आए। लेकिन रास्ते में कुछ ऐसा हुआ जिस कारण दारोगा पर एक्शन लिया गया।

इंस्पेक्टर पर जिस लड़की को सही सलामत वापस लाने की जिम्मेदारी थी। उसकी उसी लड़की पर नियत डोल गई। कार में वह लड़की को बैड टच करने लगा। लड़की ने इसका विरोध किया तो वह उल्टा उसे ही खरी खोटी सुनाने लगा। लेकिन अपनी हरकत से बाज नहीं आया। रास्ते भर वो उसे छेड़ता रहा। यह सब कार में बैठे अन्य सिपाही भी देख रहे थे। उन्होंने भी दारोगा का विरोध किया। लेकिन दारोगा ने किसी की नहीं सुनी।

जब कानपुर थाने सभी लोग पहुंचे तो लड़की ने सारी बात पुलिस कमिश्नर को बता दी। दारोगा कहने लगा- लड़की झूठ बोल रही है। लेकिन जो सिपाही कार में उस वक्त दोनों के साथ थे, उन्होंने भी लड़की का साथ दिया। बोले- साहब ये लड़की सही बोल रही है। दारोगा इस लड़की को रास्ते भर में छेड़ता आया। उसने किसी की भी नहीं सुनी। बस फिर क्या था। पुलिस कमिश्नर ने तुरंत दारोगा के खिलाफ एक्शन लिया। उसे लाइन हाजिर कर जांच एसीपी कैंट को सौंप दी। वहीं, इस घटना के बाद से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

लड़की को बैड टच

मामला फेथफुलगंज इलाके का है। यहां कुछ दिन पहले एक दंपति पहुंचा। उन्होंने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उनकी बेटी को दूसरे समुदाय का लड़का बहला-फुसलाकर साथ ले गया है। पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू की। लड़की की लोकेशन मुंबई मिली। पुलिस लड़की की तलाश में मुंबई पहुंची। वहां लड़की को बरामद कर कानपुर से वापस लाया जा रहा था। लेकिन कार में मौजूद इंस्पेक्टर ने लड़की के साथ गलत हरकत करनी शुरू कर दी। लड़की बोली- सर ये आप क्या कर रहे हैं। मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा।

मामले में हुआ एक्शन

दारोगा ने उसे डांट दिया। फिर वही हरकत दोबारा करने लगा। कार में मौजूद सिपाहियों ने भी दारोगा को ऐसा करते देखा तो बोले- साहब ऐसा क्यों कर रहे हैं आप। ये गलत है। इस लड़की की जिम्मेदारी हम पर है। लेकिन दारोगा ने उन्हें भी डांट दिया। पूरे रास्ते दारोगा अपनी हरकत से बाज नहीं आया। लेकिन थाने पहुंचते ही लड़की ने उसकी पोल खोल दी। सिपाहियों ने भी लड़की का साथ दिया। प्राथमिक जांच में आरोपों की पुष्टि पर चौकी इंचार्ज पर फिर कार्रवाई हुई।

जिले में परिवार नियोजन की सेवाओं को और भी बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा : योगेश

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर। विकास खंड सिधौली के सभागार में मंगलवार को अंतरविभागीय ब्लॉक समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन पापुलेशन फाउण्डेशन आफ इण्डिया एवं मोवियस फाउण्डेशन के सहयोग से संचालित उम्मीद परियोजना के तहत किया गया। बैठक में इस परियोजना के नोडल विभाग के रूप में स्वास्थ्य विभाग के साथ ही पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, आजीविका मिशन, आईसीडीएस सहित अन्य विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सहायक खंड विकास अधिकारी योगेश कुमार शर्मा ने कहा कि उम्मीद परियोजना से संबंधित बैठकों में सभी विभागों की सहमति हो, साथ ही वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जानकारियों का आदान-प्रदान किया जाए। उन्होंनेक कहा कि विकास खंड की सभी ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों पर परिवार नियोजन सम्बन्धित बैठकों का आयोजन किया जाएगा और इन बैठकों में पुरूषों की भागीदारी और परिवार नियोजन पर उनकी भूमिका के महत्व पर जोर दिया जाएगा। सीडीपीओ हेमा शुक्ला ने का कह आंगनबाड़ी केंद्रों पर टीकाकरण के लिए आने वाली सभी महिलाओं को परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों की जानकारी देते हुए उन्हें बास्केट ऑफ च्वॉइस के बारे में बताया जाए। इस मौके पर पापुलेशन फाउण्डेशन आफ इण्डिया की पूर्णिमा चैधरी ने उम्मीद परियोजना के अन्तर्गत अभी तक हुये कार्यों एवं आगामी कार्यो की रूप रेखा के विषय में चर्चा की। उन्होंने कहा कि उम्मीद परियोजना का संचालन जिले में परिवार नियोजन की सेवाओं को और भी बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है।

शादी की पहली रात को दूल्हे के अरमान चकनाचूर, दुल्हन कर गई कांड... अब काट रहा थाने के चक्कर

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। कहते हैं कि शादी सात जन्मों का बंधन होता है। लेकिन कुछ लोग इस रिश्ते कलंकित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। अपने मतलब के लिए वो किसी की जिंदगी भी बर्बाद करने से पीछे नहीं हटते। हमने कई ऐसे मामले सुने हैं जहां दूल्हा अपनी दुल्हन को या दुल्हन अपने दूल्हे को धोखा दे देती है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से एक ऐसी ही खबर सामने आई है। यहां एक युवक को फेसबुक पर एक युवती से इश्क हुआ। दोनों की शादी भी हो गई। लेकिन शादी की पहली रात को ही दुल्हन ने ऐसा कुछ कर डाला कि दूल्हे के होश फाख्ता हो गए।

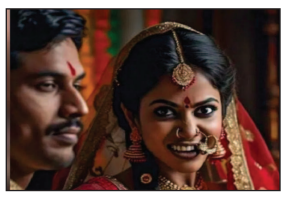

शादी के 9 महीने बाद दुल्हन के अत्याचार से परेशान युवक ने अब पुलिस से मदद मांगी है। वो थाने के चक्कर काट रहा है। उसका कहना है कि फेसबुक पर मिली जिस लड़की के साथ वह पूरी जिंदगी बिताने के सपने बुन रहा था, वो उसे धोखा देकर फरार हो गई। उसने बताया- पिछले साल (2023) दिसम्बर में हमारी शादी हुई थी। लेकिन फेरे होते ही नई नवेली दुल्हनिया ने अपना असली रूप दिखाना शुरू कर दिया। अब वह घर के सारे जेवर लेकर फरार हो गई। दूल्हा, अपने पूरे परिवार के साथ अब पुलिस से गुहार लगा रहा है। इस मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच में जुटी है। मामला अतरौलिया थानाक्षेत्र का है। युवक ने पुलिस से की गई शिकायत में बताया कि लड़की से उसकी पहली मुलाकात फेसबुक पर हुई थी। वह लड़की बातों से प्रभावित हुआ और देखते ही देखते प्रेम जाल में फंस गया। दोनों के बीच लगातार बातें होती रहीं और फिर दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया।

फिर दिसंबर 2023 को गोरखपुर की लड़की और आजमगढ़ के इस लड़के की शादी हो गई। लेकिन सात फेरे होते ही अपनी दुल्हन का नया रूप दूल्हे को देखने को मिला। कल तक मीठी और प्यारी बातें करने वाली लड़की पत्नी बनते ही सुहागरात पर उससे झगड़ पड़ी। फिर रोज लड़ाई-झगड़े करने लगी।

इसके बाद एक दिन अचानक पूरे परिवार के जेवर लेकर फरार हो गई। युवक ने कहा- लुटेरी दुल्हन की इस साजिश में उसके पिता और भाई भी शामिल थे। फिलहाल कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने सोमवार को दुल्हन, उसके पिता, भाई, मां सहित नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। लेकिन दूल्हा न्याय के लिए बार-बार थाने आ रहा है। कह रहा है कि साहब बस मुझे न्याय दिलवा दो।

गुड्डू मुस्लिम से अतीक अहमद ने की थी एक खास डील... उमेश पाल हत्याकांड की पांचवीं चार्जशीट में हुआ खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उमेश पाल हत्याकांड में पुलिस ने पांचवीं चार्जशीट दाखिल की है। यह चार्जशीट गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर के खिलाफ के है। इसमें कई सारी बातें सामने आई हैं जिसमें पता चला कि अतीक ने कैसे गुड्डू मुस्लिम से डील की। तीनों अभियुक्तों पर 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित है। ये तीनों लगभग डेढ़ साल से फरार हैं। उनके खिलाफ पूर्व में कुर्की की कार्रवाई भी की जा चुकी है।

24 फरवरी, 2023 को उमेश पाल और उनके 2 सरकारी गनर का मर्डर किया गया था। CCTV में दिखा था कि कैसे गुड्डू मुस्लिम ने उमेश और गनर राघवेंद्र सिंह पर बम से हमला किया था। वहीं, साबिर और अरमान ने कार में बैठे गनर संदीप निषाद पर राइफल और पिस्टल से गोलियां चलाई थीं।

तीनों आरोपियों की तलाश 14 राज्यों में हुई। मगर, STF को कामयाबी नहीं मिल सकी। चार्जशीट में पुलिस ने लिखा- अतीक अहमद गुजरात और उसका भाई अशरफ बरेली जिला जेल में बंद थे। इसी बीच अतीक के बड़े बेटे उमर और अली को जेल भेजा गया, जिससे वो बौखला गया था। तब अतीक को लगने लगा कि पत्नी शाइस्ता परवीन और छोटा बेटा असद गैंग को उस तरह ऑपरेट नहीं कर पाएंगे जैसा पहले गैंग को ऑपरेट किया जाता था।

इसी बीच उमेशपाल की हत्या करने की प्लानिंग हुई। वो इसिलए ताकि अतीक की गैंग के सामने कोई टिकने की हिम्मत न जुटा पाए। अतीक के परिवार का हर सदस्य इसमें शामिल था, लेकिन ऑपरेशन की सारी जिम्मेदारी अतीक ने गुड्डू बमबाद को सौंपी। उसे गुड्डू पर बहुत यकीन था। उस वक्त गुजरात जेल में बंद माफिया अतीक अहमद से ऐप फेसटाइम कॉल पर गुड्डू मुस्लिम की बात हुई।

एक समय गुड्डू जब लीवर की बीमारी से पीड़ित था तो अतीक ने ही 8 लाख रुपये खर्च कर उसका इलाज करवाया। इसलिए गुड्डू भी अतीक को बहुत मानता था। जब गुड्डू को उमेश पाल की हत्या की जिम्मेदारी सौंपी गई तो वह खुश हो गया। वो चाहता था कि अतीक का ये काम करके वो उसा भरोसा जीत लेगा। अतीक ने गुड्डू पर असलहा मुहैया कराने से लेकर पनाह देना, मददगार तय करने की भी जिम्मेदारी सौंपी थी।

गुड्डू मुस्लिम से डील

इस हत्याकांड के बदले अतीन ने गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर से कुछ वादे किए थे। दरअसल, गुड्डू मुस्लिम मीट कारोबार से जुड़ा था। तब अतीक ने गुड्डू को वादा किया था कि वो उसके बेटे को कंपनी के जरिए मीट कारोबार में विदेश तक पहुंचाएगा। अतीक ने यह भी वादा किया था कि गुड्डू ही आने वाले चुनाव में पूरी वसूली करेगा। सारा हिसाब-किताब उसी के हाथ होगा। शाइस्ता परवीन मेयर बनती हैं तो भी, नहीं बनती हैं तो भी, वही सारा हिसाब-किताब संभालेगा।

साबिर-अरमान से वादा

वहीं, दूसरी तरफ राजनीतिक विंग की बागडोर का वादा साबिर से किया था। तीसरे शूटर अरमान से वादा किया था कि उसे सरेंडर कराया जाएगा। इसके बाद सिविल लाइन में मार्केट का संचालन वही करेगा। अरमान से कहा गया था कि वह नफीस बिरयानी के यहां बैठकर कुछ खास नहीं कमा पा रहा है, इस हत्याकांड के बाद उसे सिविल लाइन में नफीस जैसे 10 लोगों के ऊपर काम करने का मौका मिलेगा।

फरार हैं आरोपी

फिलहाल मामले में आरोपी अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, बहन आयशा नूरी, अशरफ की पत्नी जैनब फात्मा और हमलावर गुड्डू मुस्लिम, मोहम्मद अरमान और साबिर अभी भी फरार हैं। फरार आरोपियों की तलाश के बाद अब पुलिस ने गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

40 लाख की फिरौती! 'महसूस' करने के लिए रच दी अपनी ही किडनैपिंग की साजिश, और फिर...

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जौनपुर में एक युवक ने अपहरण का नाटक करके अपने ही परिजनों से 40 लाख की फिरौती मांग की। हालांकि पुलिस और सर्विलांस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने अपहरण की झूठी कहानी रचने और अपने ही परिजनों से फिरौती मांगने के मामले में केस दर्ज करके आरोपी युवक को जेल भेज दिया है।

मामला जौनपुर के सुरेरी थाना क्षेत्र के अड़ियार (हनुमानगंज बाजार) का है। अड़ियार निवासी प्रदीप गुप्ता ने 19 अक्टूबर को पुलिस से शिकायत की थी कि उनका बेटा सूरज गुप्ता (24) सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकला था, लेकिन काफी समय बीतने के बावजूद घर वापस नहीं लौटा। उन्होंने बताया था युवक का फोन भी बंद बता रहा है, इस वजह से घरवालों को किसी अनहोनी की आशंका होने लगी। वहीं कुछ देर बाद युवक ने अपने ही पिता को व्हाट्सएप मैसेज करके 40 लाख की फिरौती मांग ली।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी सूरज गुप्ता के दिमाग में अपहरण करने और उसे महसूस करने की बात आई। ऐसे में सूरज ने अपने ने अपने ही परिजनों के साथ खुद के अपहरण की झूठी कहानी रचकर व्हाट्सएप मैसेज करके 40 लाख की फिरौती मांग ली। हालांकि, बेटे का फोन बंद होने से परिजनों के मन मे किसी अनहोनी का डर सता रहा था। पुलिस को चकमा देने और प्रोफेशनल बदमाशों की तरह मामले को दिखाने के लिए युवक ने अपने फोन से सिम निकालकर wifi से इंटरनेट कनेक्ट करके अपने पिता को व्हाट्सएप मैसेज करके 40 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। पुलिस पूंछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने इसलिए ऐसा किया था ताकि कोई शक न करे पुलिस भी उसे पकड़ न पाए।

स्वाट, सर्विलांस समेत 5 टीमों ने दबोचा

बेटे के अपहरण और व्हाट्सएप मैसेज से 40 लाख रुपये फिरौती मांगे जाने की बात पिता ने पुलिस को बताई तो पुलिस भी हैरान हो गई। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने तत्काल पुलिस की 5 टीमें युवक की बरामदगी के लिए लगा दी। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर स्वाट, सर्विलांस समेत पुलिस की 5 टीमें अपहरणकर्ताओं और अपहृत युवक का पता लगाने में कड़ी मशक्कत करती रहीं। हालांकि, सर्विलांस सेल की मदद से पुलिस को युवक की लोकेशन मिली जिसके बाद उसे सुरेरी थाना क्षेत्र के हीरापट्टी गांव स्थित गांधी घाट पुल से पकड़ लिया गया। युवक ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसका अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि वह परिजनों से 40 लाख लेने के लिए खुद के अपहरण का नाटक किया था। साथ ही बताया कि उसने ही व्हाट्सएप मैसेज भेजकर फिरौती मांगी थी।

पुलिस ने केस दर्ज कर भेजा जेल

पुलिस ने युवक के खिलाफ फिरौती मांगने के जुर्म के केस दर्ज करते हुए उसे जेल भेज दिया। मामले को लेकर जौनपुर के ASP शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि युवक का अपहरण नहीं हुआ था, उसने परिजनों से 40 लाख लेने के लिए खुद के अपहरण का नाटक करके व्हाट्सएप मैसेज भेजकर 40 लाख की फिरौती मांगी थी। पुलिस टीमों की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। परिजनों से फिरौती मांगने के जुर्म में केस दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है।

बीजेपी को अभिभावक माना, एक भी सीट न दे... यूपी उपचुनाव को लेकर क्या बोले संजय निषाद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उपचुनाव में सीट बंटवारे को लेकर एनडीए में पेंच फंसा हुआ है। निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद पिछले चार दिनों से दिल्ली में डेरा जमाए हुए हैं और बीजेपी आलाकमान से मुलाकात करना चाह रहे थे। उनकी बुधवार सुबह बीजेपी महासचिव सुनील बंसल से मुलाकात हुई है। इस दौरान प्रवीण निषाद भी मौजूद रहे हैं। सुनील बंसल से मुलाकात के भी कोई ठोस निर्णय नहीं निकल पाया है।

इस बैठक में यूपी की दोनों सीटों कटेहरी और मझवां पर निषाद पार्टी ने अपना दावा ठोका है। सुनील बंसल ने दोनों सीटों को लेकर संजय निषाद से डिटेल में जानकारी ली है। साथ ही साथ उनको भरोसा दिलाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आज रूस से लौटने के बाद बातचीत होगी। पीएम मोदी से राय-मशविरा होने के बाद दोनों सीटों को लेकर फैसला लिया जाएगा। कहा गया है कि आज शाम तक स्थिति साफ हो जाएगी कि कौन सी सीट किसके खाते में जाएगी। बैठक के दौरान कटेहरी और मझवां सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम भी निषाद पार्टी ने बीजेपी को सौंप दिए हैं। बैठक होने के बाद संजय निषाद ने कहा है कि बीजेपी बड़ी पार्टी है।

उपचुनाव से ना सरकार बनने जा रही है और ना ही बिगड़ने जा रही है इसलिए प्रदेशों में जहां चुनाव हैं वहां से समय मिलने के बाद हम बैठे हैं। बीजेपी के सामने हमने मझवां और कटेहरी सीट की मांग रखी है। ये दोनों सीटों हमको बीजेपी ने पहले दी थीं, जिस पर हम लड़े थे, लेकिन 2024 में हमें नहीं दी गईं, तो विपक्ष को आंशिक सफलता मिल गई।

एनडीए में ही रहेंगे: संजय निषाद

सियासी गलियारों में चर्चा थी कि बीजेपी और संजय निषाद के बीच सीट बंटवारे को लेकर खटास बढ़ रही है। हालांकि संजय निषाद ने साफ कर दिया कि वह पहले भी एनडीए में थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमने सीट और अपने प्रत्याशी की सूची बीजेपी को दे दी है। बीजेपी को बड़ा भाई और अभिभावक माना है। वह जो फैसला करेंगे उस हम मानेंगे। संजय निषाद ने कहा, 'बीजेपी सीट एक दे या ना दे, सिंबल उनका रहे या हमारा रहे... जो वो तय करेंगें हमको मंजूर है। जीत हमारा मकसद है। आज शाम तक बेहतर नतीजा मिलेंगे।' वहीं, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिवाली के बाद मिलने का समय मांगा है।

क्लीनिक पर काम करती थी नाबालिग, डॉक्टर की बिगड़ी नीयत, किया रेप

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक नाबालिग लड़की ने डॉक्टर पर रेप का आरोप लगाया है। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पीड़ति के बयान दर्ज कर रही है। उसका मेडिकल परिक्षण भी कराया जा रहा है। आरोपी डॉक्टर से भी पूछताछ की जा रही है। पीड़ति लड़की अपनी नानी के साथ रहती है। वह डॉक्टर के क्लीनिक पर काम करती थी।

पीड़ति लड़की का आरोप है कि रेप के बाद डॉक्टर ने उसे बदनाम करने की धमकी दी थी। उसने अपनी नानी को पूरी बात बताई, जिसे सुनकर उनके होश उड़ गए। नानी पीड़ति लड़की को लेकर पुलिस के पास पहुंची। उन्होंने डॉक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, शिकायत मिलते ही आरोप डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पीड़ित लड़की के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

पीड़िता ने कानपुर के कर्नलगंज थाने में डॉक्टर के ऊपर रेप करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की नानी ने इस संबंध में पुलिस को तहरीर दी, जिसके बाद मुकदमा दर्ज करके आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। कानपुर की फहिमाबाद लेबर कालोनी निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी नातिन उसके साथ रहती है और छोटे मियां के हाते में मौजूद डॉक्टर वसीम की क्लीनिक पर काम करती है। तहरीर के अनुसार, पीड़िता ने अपनी नानी को बताया कि क्लीनिक में डॉक्टर वसीम ने उसके साथ रेप किया। डॉक्टर पर यह भी आरोप है कि उसने पीड़िता को धमकाया कि अगर किसी को बताया तो वह तुमको बदनाम कर देगा। एडीसीपी महेश कुमार ने बताया कि आरोपी डॉक्टर को हिरासत में ले लिया गया है और पूछताछ की जा रही है।

बेटियां प्रकृति का अमूल्य उपहार : प्रिया पटेल

सीतापुर। जिला महिला चिकित्सालय सीतापुर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रदेश संयोजिका पूनम मिश्रा व जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रिया पटेल द्वारा बालिकाओं के जन्म पर केक कटवाकर उनकी मां को बेबी किट, मिष्ठान, पम्पलेट देकर सम्मानित किया। उन्होंने नवजात बच्चियों के माता-पिता को यह भी बताया कि यहाँ से जाने के बाद कन्या सुमंगला योजनांतर्गत आवेदन कर दें। सभी जनसेवा केंद्रों पर यह सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा सभी बच्चियों का नियमित टीकाकरण कराते रहें। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रिया पटेल ने बताया कि बेटियां प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं। सरकार द्वारा चलाए जा रहे, सुकन्या समृद्धि योजना का मुख्य उद्देश्य सभी बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करना है। महिलाओं को विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

यूपी उपचुनाव के लिए कांग्रेस को मनाने में जुटी सपा, अब 3 सीटें का ऑफर, महाराष्ट्र में चाहिए तवज्जो

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों में सीट के बंटवारे पर अभी तक समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच आम सहमति नहीं बन पाई है। दोनों पार्टियों के बीच लगातार खींचतान चल रही है। इस बीच बड़ी खबर सामने आई है कि सपा और कांग्रेस के बीच आम सहमति बनते हुए दिखाई दे रही है। सपा ने कांग्रेस को एक और सीट ऑफर की है, जिसके बाद कहा जा रहा है कि कांग्रेस सूबे में इंडिया गठबंधन के तहत तीन सीटों पर चुनाव लड़ सकती है।

यूपी विधानसभा उपचुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस से सपा संपर्क में है। कांग्रेस को गाजियाबाद के बाद फूलपुर विधानसभा सीट भी मिल सकती है। सपा के इस तीसरे सीट के ऑफर के बाद आज कांग्रेस इस मसले पर मंथन करेगी, जिसके बाद वह अपना फैसला लेगी। इससे पहले सपा की ओर से कांग्रेस को दो सीटों का ऑफर दिया गया था, जिसमें गाजियाबाद और खैर शामिल थी, जबकि कांग्रेस लगातार पांच सीटों की मांग करती आ रही है।

कांग्रेस का दावा, यूपी में एकसाथ लड़ेंगे

हालांकि कांग्रेस ने दावा किया है कि उसका सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत का रिजल्ट जो भी रहे लेकिन वह इस उपचुनाव में एकसाथ मैदान में उतरेगी। बीते दिन यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा, 'सपा के साथ सीट बंटवारे की बातचीत का नतीजा चाहे जो भी हो, इंडिया ब्लॉक एकजुट होकर उपचुनाव लड़ेगा।' दरअसल, समाजवादी पार्टी पहले ही 7 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार चुकी है, जिसमें करहल, सीसामऊ, फूलपुर, मिल्कीपुर, कटेहरी, मझवान और मीरापुर शामिल है। यूपी में उपचुनाव मिल्कीपुर (अयोध्या) को छोड़कर नौ सीटों पर हो रहे हैं।

महाराष्ट्र में सपा चाहती है 12 सीटें

समाजवादी पार्टी भी कह चुकी है कि कांग्रेस के साथ उसका समझौता आखिरी हो गया। 10 में से कांग्रेस 2 सीटों, खैर (अलीगढ़) और गाजियाबाद पर वह चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी आठ सीटों पर सपा अपने प्रत्याशी उतारेगी। हालांकि अब समाजवादी पार्टी का मन बदला है और उसने कांग्रेस को एक और सीट का ऑफर दे दिया। सियासी गलियारों में चर्चा है कि सपा इस ऑफर का फायदा महाराष्ट्र में उठाना चाहती है। वह इंडिया गठबंधन के तहत महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 12 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। यही वजह है कि सपा यूपी में कांग्रेस को संतुष्ट करने के बाद महाराष्ट्र में तवज्जो चाहती है।

त्योहारों में ज्यादा मीठा खाने से बिगड़ न जाए तबियत, इस तरह रहें हेल्दी

नवरात्रि से भारत में एक बड़े फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो जाती है और ये भाईदूज ही नहीं छठ तक जारी रहता है। त्योहारों के जश्न में मीठा खूब खाया जाता है पर इससे सेहत को नुकसान भी पहुंचता है। इस बीच आप इन आदतों को अपनाकर हेल्दी रह सकते हैं।

त्योहारों का जश्न मिठाइयों या चॉकलेट्स के बिना फीका माना जाता है। भारत में हरतालिका तीज हो या दिवाली का मौका मीठा खाना तो बनता है। अलग-अलग तरह की मिठाइयों को देखने के बाद इन्हें खाए बिना रहा नहीं जाता। कुछ लोगों को शुगर क्रेविंग होती है और इसे फेस्टिव सीजन में कंट्रोल कर पाना नामुमकिन हो जाता है। ये टाइम शुगर पेशेंट्स के लिए थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है। अब सवाल है कि शुगर वाले फूड्स जैसे मिठाइयां या चॉकलेट्स को खाने के बावजूद फेस्टिव सीजन में हेल्दी कैसे रहा जाए। वैसे त्योहारों के दौरान मीठे के अलावा लोग तली-भुनी आइटम्स को भी शौक से खाते हैं और ये भी हमारे स्वास्थ्य के लिए जहर से कम नहीं है।

फेस्टिवल के दौरान मीठा या फास्ट फूड खाना आम बात है। इस बुरी आदत को छोड़ पाना आसान नहीं है लेकिन आप कुछ हेल्दी ट्रिक्स को आजमाकर हेल्दी रहा जा सकता है। चलिए आपको बताते हैं इन टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाना आसान है।

ओवरइटिंग से बचें

त्योहारों के दौरान अधिकतर लोग हर समय कुछ भी खाते हैं और वे इतना ज्यादा खा लेते हैं कि तबीयत बिगड़ जाते हैं। जयपुर की डायटिशियन सुरभि पारीक कहती हैं कि खाने को कभी भी एक साथ नहीं खाना चाहिए। ओवरइटिंग एक समय पर शरीर को बीमारियों का घर बना देती है। एक्सपर्ट ने बताया कि हमें फूड को पॉर्शन यानी टुकड़ों में लेना चाहिए। अगर मीठा या तला-भुना खा रहे हैं तो इसे लिमिट में ही खाएं। आप दोबारा इसे खा सकते हैं पर इसमें लंबा गैप रखें।

ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं

त्योहारों के दौरान ही नहीं नॉर्मल लाइफ में भी ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए। इसके कई फायदे हैं जिसमें सबसे बड़ा एक ओवरईटिंग से बचना है। अगर आप दिनभर में ज्यादा पानी पीते हैं तो पेट भरा होने की वजह से ज्यादा खाने की इच्छा नहीं हो पाती। ओवरईटिंग से बचने के अलावा शरीर में पानी की मात्रा सही रहती है। हाइड्रेट रहने से कई बीमारियां या हेल्थ प्रॉब्लम्स हमसे दूर रहती हैं।

हर्बल टी पिएं

त्योहारों के दौरान बॉडी में बाहर या जंक फूड के अलावा मिठाइयां खाने से बॉडी में गंदगी जमने लगती है। इसलिए बॉडी का नेचुरली डिटॉक्स होना जरूरी है। बॉडी डिटॉक्सीफिकेशन के लिए हर्बल टी या दूसरे हेल्दी ड्रिंक्स को पीने की सलाह दी जाती है। आप चाहे तो दालचीनी, जायफल, इलायची या दूसरी आयुर्वेदिक चीजों की हर्बल टी बनाकर पी सकते हैं। इससे पाचन किडनी और लिवर डिटॉक्स हो पाते हैं और पाचन तंत्र भी ठीक रहता है। इतना ही नहीं हर्बल टी को पीने से लाइट फील होता है।

डेट्स और नट्स

अनहेल्दी और ऑयली फूड्स से बचने का बेस्ट ऑप्शन नट्स यानी खजूर, बादाम, अखरोट जैसे ड्राइ फ्रूट्स हैं। आप मिठाई खाने के शौकीन हैं तो गुड़ और खजूर से बनी नट्स की स्वीट बनाकर खा सकते हैं।

लाइट डिनर

सेहतमंद रहने या वेट लॉस के लिए रात में खाना छोड़ देना आजकल कॉमन है। पर फेस्टिवल के दौरान ऐसा कर पाना मुश्किल है। पार्टी या इवेंट में डिनर करना पड़ रहा है तो इसे लाइट ही रखें। इस दौरान वहां मौजूद सलाद को आप खा सकते हैं क्योंकि ये लाइट है और इससे पेट का स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। वैसे नॉर्मल लाइफ में भी हमें डिनर को लाइट रखना चाहिए। एक्सपर्ट की सलाह के बिना परमानेंट डिनर न करने की आदत को डालना नुकसान पहुंचा सकता है। इस गलती से पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

भारत में यहां मनाते हैं बूढ़ी दिवाली, जगह है इतनी खूबसूरत, 'एक बार जाना तो बनता है'

भारत विविधताओं से भरा हुआ देश है और इसी वजह से यहां पर हर त्योहार की रौनक कमाल की होती है। दिवाली के बारे में तो आप जानते ही हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि बूढ़ी दिवाली आप कहां पर सेलिब्रेट कर सकते हैं। बता दें कि ये जगह भी बेहद खूबसूरत है।

दिवाली का त्योहार पूरे देश में धूमधाम के साथ मनाया जाता है और दिवाली की रात हर जगह जबरदस्त रौनक देखने को मिलती है. छोटी दिवाली और बड़ी दिवाली के बारे में तो आप भी जानते होंगे, लेकिन क्या आप एक ऐसी जगह के बारे में जानते हैं जहां पर 'बूढ़ी दिवाली' मनाई जाती है। इसे 'इगास' पर्व के नाम से भी जाना जाता है। जहां पर बूढ़ी दिवाली सेलिब्रेट की जाती है वह जगह भी इतनी खूबसूरत है कि जिंदगी में एक बार तो विजिट करना ही चाहिए और अगर आप एक बार यहां पर चले गए तो बार-बार यहां की ट्रिप प्लान करना चाहेंगे।

दिवाली की रात सभी अपने घर पर सेलिब्रेट करना चाहते हैं, लेकिन एक जगह ऐसी भी है, जहां की दिवाली सेलिब्रेट करना आपके लिए यादगार रहेगा और आपको अपने घर की दिवाली भी नहीं छोड़नी पड़ेगी। दरअसल 'बूढ़ी दिवाली' हिमाचल में सेलिब्रेट होती है और इसे मुख्य दीपावली पर्व के एक महीने बाद सेलिब्रेट किया जाता है। तो चलिए जान लेते हैं इसके बारे में डिटेल में।

हिमाचल के कुल्लू में मनाते हैं बूढ़ी दिवाली

पहाड़ी राज्य हिमाचल की खूबसूरती, यहां की संस्कृति और शांति भरा वातावरण पर्यटकों को खासा आकर्षित करता है, तो वहीं यहां का शहर 'कुल्लू' लोगों के बीच एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यहां पर आप आकर आप 'बूढ़ी दिवाली' के फेस्टिवल को एंजॉय कर सकते हैं।

कुल्लू में घूमने की जगहें

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में आप पहाड़ों की खूबसूरती तो निहार ही सकते हैं और यहां पर शांति-सुकून से वक्त बिता सकते हैं, जिसेस आपका सारा स्ट्रेस दूर हो जाएगा। इसके अलावा कुल्लू में श्री हनोगी मंदिर जा सकते हैं। ये मंदिर ब्यास नदी के किनारे पर बना हुआ है और यहां के दृश्य भी मनोरम होते हैं। इसके अलावा कुल्लू में आप गुरुद्वारा मणिकर्ण साहिब, रघुनाथ टेम्पल, बिजली महादेव मंदिर, कैसरघर, भृगु झील, खीर गंगा जैसी खूबसूरत जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

बूढ़ी दिवाली क्यों होती है खास

दरअसल हिमाचल में मनाई जाने वाली बूढ़ी दिवाली में दीपक जलाने के साथ ही हाथों में जलती हुई मशाल लेकर उत्सव मनाया जाता है। इस दिन लोक गीत गाए जाते हैं ऐर पारंपरिक नृत्य किया जाता है। इसके अलावा भी यहां पर कई प्रोग्राम आयोजित होते हैं, जिन्हें देखना आपके लिए एक बढ़िया एक्सपीरियंस रहेगा।

जाई-गद्दों को निकालने का आ गया है टाइम, इनसे जुड़ी ये 5 बातें जरूर जान लें

सर्दियों ने दस्तक दे दी है और सुबह-शाम मौसम में ठंडक भी महसूस होने लगी है। कुछ ही दिनों बाद रजाई-गद्दे भी निकाले जाने लगेंगे। अगर आप भी सर्दियों के लिए रजाई-गद्दे अलमारी से निकाल रहे हैं तो इन 5 बातों को जरूर ध्यान में रखें।

अक्टूबर 2024 अब खत्म होने को है और सुबह-शाम का मौसम हल्का ठंडा होने लगा है। आधी रात के बाद भी तापमान में काफी ठंडक हो जाती है और कुछ ही दिनों के बाद रजाई-गद्दे की जरूरत भी महसूस होने लगेगी। ऐसे में जरूरी है कि अभी से आप रजाई या गद्दे अभी से निकाल कर रख लें, क्योंकि लंबे समय तक संदूक या अलमारी में रखे होने की वजह से सीलन की स्मेल आने लगती है और साथ ही बैक्टीरिया भी पनप जाते हैं। इसलिए पहले से ही कंबल, रजाई, सर्दी वाले गद्दों को बाहर निकाल लेना चाहिए। इसके साथ ही कुछ बातों को भी ध्यान में रखना जरूरी होता है।

रजाई-गद्दों को तुरंत निकालकर ओढ़ लेने की वजह से आपको सीलन की बदबू तो परेशान कर ही सकती है साथ ही इससे आप बीमार भी हो सकते हैं, क्योंकि इनमें कई बैक्टीरिया मौजूद होते हैं जो आपकी हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। तो चलिए जान लेते हैं कि रजाई-गद्दे और कंबल निकालने के बाद कौन सी पांच बातें ध्यान में रखना चाहिए।

रजाई-गद्दों के कवर को धो लें

कई बार लोग सोचते हैं कि पिछले विंटर सीजन में उन्होंने रजाई-गद्दों के कवर को धोकर ही पैक किया था और इस वजह से वह सीधे ओढ़ना-बिछाना शुरू कर देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। जब भी आप रजाई-गद्दे निकालें तो इनके कवर को गुनगुने पानी में भिगो दें और फिर धोने के बाद दोबारा से चढ़ा दें।

धूप दिखाना है जरूरी

रजाई-गद्दों को बाहर निकालने के बाद धूप जरूर दिखानी चाहिए। इससे न सिर्फ आपको सीलन की बदबू से छुटकारा मिलेगा बल्कि बैक्टीरिया भी नष्ट हो जाएंगे। अगर धूप न हो तो क्लॉथ स्टीमर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे रजाई गद्दे काफी फ्रेश हो जाएंगे। इसके बाद घर के दरवाजे और खिड़कियों को खोल दें और इन्हें खुली हवा में रखें।

बैक्टीरिया मारने वाला नेचुरल स्प्रे

घर पर आप बैक्टीरिया मारने वाला स्प्रे तैयार कर सकते हैं और इसे रजाई-गद्दों पर छिड़कें। इसके लिए पानी में थोड़ा सा क्रिस्टल वाला मिंट डालें, इसके साथ ही कुछ बूंदे नीम के तेल की तो वहीं थोड़ा सा वाइट विनेगर और कुछ बूंदे लैवेंडर या यूकेलिप्टिस ऑयल की डालें। इन सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें और रजाई-गद्दों पर स्प्रे करने के बाद सुखा लें। इससे बदबू भी चली जाएगी और बैक्टीरिया भी मर जाएंगे।

इस तरह साफ कर सकते हैं रजाई

अलमारी या बक्से से रजाई-गद्दे निकालने के बाद कवर तो धो लिए जाते हैं, तकिया, रूई वाले गद्दे और रजाइयां नहीं धोई जाती हैं। हालांकि इनकी सफाई भी बहुत जरूरी होती है। आप घर पर ड्राई क्लीन भी कर सकते हैं। इसके लिए बेकिंग सोडा को पूरी रजाई और गद्दे पर अच्छी तरह से छिड़क दें और कम से कम आधे घंटे के बाद वैक्यूम क्लीनर से साफ कर लें। अगर वैक्यूम क्लीनर न हो तो ब्रश का यूज किया जा सकता है।

बदबू होगी दूर, फ्रेशनेस से भर जाएंगे रजाई-गद्दे

अलमारी से निकालने के बाद रजाई-गद्दों में बदबू आने लगती है और कई बार धूप दिखाने के बाद भी स्मेल नहीं जाती है। ऐसे में आप फैब्रिक फ्रेशनर का इस्तेमाल कर सकते हैं। मार्केट में कई तरह के फैब्रिक फ्रेशनर आ रहे हैं जो आपके रजाई-गद्दों को एक फ्रेश खुशबू से भर देंगे।

मुफ्त और शुद्ध पानी मुहैया करवाना सिनेमाघर की जिम्मेदारी

भारत में हर साल करीब 15 .7 करोड़ लोग सिनेमा देखने जाते हैं। यह संख्या साल दर साल बढ़ती जा रही है। हालांकि अब सिंगल स्क्रीन कम होते जा रहे हैं और मल्टीप्लेक्स भी ओटीटी एप्स के दबाव में हैं, फिर भी कई सिनेमाघरों में फिल्में देखने का एक अलग क्रेज है। फिर फिल्मों की सफलता तभी मानी जाती है, जब वे बॉक्स ऑफिस पर हिट होती हैं। आइए आज सिनेमा देखने वालों यानी उपभोक्ताओं के कानूनी अधिकारों के बारे में बात करते हैं।

पीने का पानी पीने के पानी तक पहुंच एक मानवीय अधिकार है। हालांकि सिनेमाघर आमतौर पर अपने परिसर में बाहर से खाने-पीने की चीजें लाने की अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन साल 2015 में रूपसी मल्टीप्लेक्स मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीआरडीसी) ने सिनेमाघरों को निर्देश दिया था कि वे बाहर से पेयजल लाने पर प्रतिबंध लगाने से पहले सिनेमा हॉल या सिनेमा परिसर के भीतर वॉटर कूलर लगवाएं और उनके माध्यम से दर्शकों को पीने योग्य और शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाएं। आयोग ने पीने का पानी मुफ्त उपलब्ध करवाए बगैर ग्राहक को इसे खरीदने के लिए मजबूर करना अनुचित व्यापार व्यवहार के समकक्ष माना।

बाहर का खाना सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में सिनेमाघरों के इस तर्क को सही ठहराया कि परिसर में बाहर का खाना नहीं लाया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा, ₹सिनेमा हॉल में फिल्म देखने वालों को अपना खाना ले जाने से रोकने का व्यावसायिक तर्क व्यवसाय का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यदि मालिकों को अपने व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को निर्धारित करने की अनुमति नहीं होगी तो आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाएंगी।' हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सिनेमाघरों से कहा कि वे सिनेमा देखने आने वाले उन लोगों के अनुरोधों पर विचार करें जो ₹दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित हैं और जिन्हें अपने डॉक्टरों से आहार संबंधी विशेष निर्देश मिले हैं। कोर्ट ने कहा कि यह अनुमति केस-दर-केस आधार पर दी जा सकती है।

एमआरपी से अधिक शुल्क क्या सिनेमाघर उन उत्पादों के लिए अधिक एमआरपी चार्ज कर सकते हैं, जो आम तौर पर कम कीमत पर उपलब्ध होते हैं? बिग सिनेमा बनाम मनोज कुमार मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीआरडीसी) ने पेप्सी द्वारा निर्मित 'एक्वाफिना' पानी की बोतल को सिनेमाघर द्वारा अधिक कीमत पर बेचने के मामले की जांच की। उपभोक्ता के अनुसार, उस समय एक्वाफिना पानी की सामान्य बोतल 16 रुपए की थी, लेकिन सिनेमाघर ने इसे 30 रुपए में बेचा। जिला और राज्य स्तर पर विवाद का फैसला उपभोक्ता के पक्ष में हुआ, लेकिन सिनेमाघर इसे राष्ट्रीय आयोग में ले जाया। चूंकि पेप्सी मुकदमे में पक्षकार नहीं थी, इसलिए एनसीडीआरसी ने उसे पेश होने और अपना पक्ष रखने के लिए कहा। पेप्सी ने कभी नहीं कहा कि उसके पास एक ही उत्पाद के लिए अलग-अलग एमआरपी हैं और उसने इसे लेकर चुप्पी साधे रखी। एनसीडीआरसी ने दोहरी एमआरपी की इस प्रथा को कानूनी माप विज्ञान अधिनियम, 2000 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 (जो उस समय लागू था) का उल्लंघन माना। आयोग ने जिला और राज्य आयोग के निर्णयों को बरकरार रखा और सिनेमाघर पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

टाटा मोटर्स उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को एक हजार डीजल बस चेसिस की करेगी आपूर्ति

मुंबई, एजेंसी। टाटा मोटर्स ने घोषणा की कि उसे उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) से टाटा एलपीओ 1618 डीजल बस चेसिस की 1,000 इकाइयों की आपूर्ति का ऑर्डर मिला है।

यह ऑर्डर पिछले वर्ष प्राप्त 1,350 बस चेसिस के ऑर्डर की सफलतापूर्वक पूर्ति के बाद दिया गया है, जिन्हें वर्तमान में यूपीएसआरटीसी द्वारा कुशलतापूर्वक चलाया जा रहा है।

ऑटोमेकर ने कहा कि सुरक्षित इंटरसिटी और लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन की गई 'टाटा एलपीओ 1618' डीजल बस चेसिस स्वामित्व की कम कुल लागत (टीसीओ) के साथ यात्रियों के लिए आरामदायक है और इसका प्रदर्शन बेहतरीन है।

टाटा मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट और कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल बिजनेस के प्रमुख आनंद एस. ने कहा, 'टाटा एलपीओ 1618' बस चेसिस को उच्च अपटाइम और कम रखरखाव तथा परिचालन लागत के साथ मजबूत और विश्वसनीय गतिशीलता प्रदान करने के लिए इंजीनियर किया गया है। हम यूपीएसआरटीसी के मार्गदर्शन के अनुसार आपूर्ति शुरू करने के लिए तत्पर हैं।

कंपनी ने कहा कि बस चेसिस की आपूर्ति पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से की जाएगी।

टाटा मोटर्स ने कहा कि वह देश भर के विभिन्न शहरों और राज्यों में उन्नत बसें और सार्वजनिक परिवहन समाधान उपलब्ध कराने में अग्रणी रही है।

इनमें से हजारों बसें देश की सड़कों पर सफलतापूर्वक चलती हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ती हैं तथा लाखों नागरिकों के लिए आरामदायक और कुशल दैनिक यात्रा की सुविधा प्रदान करती हैं।

टाटा मोटर्स 165 अरब डॉलर वाले टाटा समूह का हिस्सा है और 44 अरब डॉलर वाला संगठन है। यह कारों, यूटिलिटी वाहनों, पिक-अप, ट्रकों और बसों का एक अग्रणी वैश्विक ऑटोमोबाइल निर्माता है, जो एकीकृत, स्मार्ट और ई-मोबिलिटी समाधानों की व्यापक रेंज पेश करता है।

इस बीच, यूपीएसआरटीसी ने 120 नई इलेक्ट्रिक बसों में से 20 लखनऊ में और 20 अयोध्या में चलाने की योजना बनाई है।

फोनपे ने जारी की सालाना रिपोर्ट, डिजिटल नेटिव्स को सशक्त बनाने पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक प्रमुख फोनपे ने सोमवार को कहा कि वह भारतीय बाजार में वित्तीय समाधान प्रदान करने में अपने नजरिए के तहत पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से अपने विजन, रणनीति, शासन और वित्तीय प्रदर्शन को शेयर किया है।

कंपनी ने बताया कि वह देश में डिजिटल नेटिव्स के विकास में अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए घरेलू समाधान जारी रखेगी।

कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में फर्स्ट इंडिया रणनीति और विजन पर जोर दिया है। इसमें कहा गया है कि फोनपे ने भारत में अपना स्थान बदलने से लेकर देशभर में 20 हजार से अधिक रोजगार पैदा करने, भारत की डीपीआई पहल को शुरू करने और भारतीय इंटरनेट इकोसिस्टम में उद्योग अग्रणी निवेश करने, वित्तीय समावेशन और डिजिटल विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

फोनपे ने बयान में कहा, उसका उद्देश्य एक बहु-पीढ़ी वाली भारतीय कंपनी बनाना है, जिस पर कर्मचारियों, ग्राहकों, भागीदारों और निवेशकों को गर्व हो। इस विजन की नींव मजबूत संगठनात्मक संस्कृति और मूल्य हैं। एक अनुभवी नेतृत्व टीम, प्रमुख निवेशक और एक पेशेवर निदेशक मंडल के साथ कंपनी लंबे समय तक चलने वाला विकास, मजबूत शासन और नियमों को प्राथमिकता देती है।

फोनपे समूह वित्तीय क्षेत्रों में कई व्यवसायों का संचालन करता है, जो आरबीआई, सेबी, आईआरडीएआई और यूआईडीएआई द्वारा विनियमित हैं। कंपनी ने कहा, फोनपे एक मजबूत तकनीकी आधार पर असाधारण उत्पादों का निर्माण कर रहा है। रिपोर्ट में इनोवेशन को बढ़ावा देने वाले प्रमुख प्लेटफार्मों को दर्शाया गया है और फोनपे की रणनीति को डायनमिक मार्केट में तकनीकी लचीलापन और स्केलेबिलिटी में सुनिश्चित करता है।

फोनपे के सीईओ और संस्थापक समीर निगम ने कहा, फोनपे पर हमारा लक्ष्य ऐसा इंटरनेट प्लेटफॉर्म बनाना है, जो भारतीय नागरिकों को उनके जीवन में सुधार लाने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सशक्त बनाते हैं। हमारा मानना है कि भारत की स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक एक आधुनिक और विकसित अर्थव्यवस्था को आकार देने के लिए निरंतर इनोवेशन महत्वपूर्ण हैं।

निगम ने आगे कहा, मुक्त बाजार प्रतिस्पर्धा ही प्रोडक्ट इनोवेशन और सर्विस एक्सीलेंस से चलती है, जो भविष्य है। पारदर्शिता इसका केंद्र है, यही वजह है कि हमें अपनी पहली वार्षिक रिपोर्ट जारी करने पर गर्व है। हमें उम्मीद है कि इससे लोगों को हमारी पारदर्शिता, संस्कृति और शासन मॉडल और हमारी व्यापार रणनीति की बेहतर समझ मिलेगी।

बता दें कि फोनपे के साथ 570 मिलियन से अधिक यूजर्स रजिस्टर्ड हैं और 40 मिलियन से अधिक व्यापारी इससे जुड़े हुए हैं। फोनपे तेजी के साथ भारत का डिजिटल भुगतान ऐप बन गया है।

जंग रोकना चाहता है अमेरिका, 11वीं बार इजराइल पहुंचे ब्लिंकन, क्या बोले नेतन्याहू?

वॉशिंगटन, एजेंसी। 5 नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से कुछ ही हफ्ते पहले, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गाजा और लेबनान में बढ़ती हिंसा के बीच संघर्ष विराम की बातचीत को एक बार फिर शुरू करने की कोशिश की।

ब्लिंकन हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या के कुछ ही दिनों बाद इजराइल पहुंचे हैं। यह 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमास के हमले के बाद संघर्ष शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र की उनकी 11वीं यात्रा भी है। ब्लिंकन के एजेंडे में मानवीय सहायता, हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई और संघर्ष के बाद गाजा के शासन की योजनाओं पर चर्चा शामिल है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के अनुसार, ब्लिंकन ने सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करके और गाजा में संघर्ष को खत्म करके याह्या सिनवार को न्याय के कटघरे में लाने के लिए इजराइल की सफल कार्रवाई से लाभ उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इजराइली बयान में भी इस मामले पर इसी तरह की भावना व्यक्त की गई है, जिसमें कहा गया है कि नेतन्याहू ने ढाई घंटे की बैठक में इस बात पर जोर दिया कि सिनवार की मौत से अपहरणकर्ताओं की वापसी और युद्ध के सभी लक्ष्यों की प्राप्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

समझौते पर भी विचार

अमेरिका ने बार-बार सिनवार को समझौते के लिए प्रमुख बाधा बताया है। इजराइली अधिकारियों ने कहा कि वह एक सीमित समझौते पर विचार कर रहे हैं, जिसके तहत कुछ समय के लिए युद्ध विराम के दौरान कई बंधकों को मुक्त किया जाएगा। इसके अलावा वह एक व्यापक समझौते पर भी विचार कर रहे हैं, जिसके तहत लेबनान और गाजा में युद्ध समाप्त हो जाएगा और सभी बंधकों को मुक्त कर दिया जाएगा। अमेरिका, मिस्र और कतर ने इजराइल और हमास के बीच कई महीनों तक अप्रत्यक्ष वार्ता कराई है, जिसके तहत एक समझौते पर पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें आतंकवादी समूह स्थायी युद्ध विराम और फिलिस्तीनी सुरक्षा कैदियों की रिहाई के बदले में दर्जनों बंधकों को रिहा करना शामिल है।

विदेशी निजी सुरक्षा कंपनियों का उपयोग

नेतन्याहू के कार्यालय ने ब्लिंकन और पीएम नेतन्याहू की बैठक को बेहद खास बताया। प्रधानमंत्री और सचिव ने गाजा में युद्ध के बाद के चरण की योजनाओं पर भी चर्चा की। इजराइली अधिकारियों ने बताया कि इजराइल चुपचाप गाजा में हमास के नागरिक शासन को बदलने के तरीकों की खोज कर रहा है, जिसमें मानवीय सहायता वितरित करने के लिए विदेशी निजी सुरक्षा कंपनियों का उपयोग भी शामिल है।

गाजा में मानवीय सहायता पर जोर

मिलर के अनुसार, ब्लिंकन ने इस बात पर भी बल दिया कि इजराइल को गाजा में मानवीय सहायता के प्रवाह को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सहायता गाजा में नागरिकों तक पहुंचे। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बाद में बताया कि बैठक में नेतन्याहू ने गाजा में फिलिस्तीनियों को सहायता बढ़ाने की अमेरिकी चेतावनियों की गंभीरता को स्वीकार किया।

उत्तरी गाजा में खतरनाक स्थिति पर जताई चिंता

हाल ही में पूरे दो हफ्ते तक इजराइल ने उत्तरी गाजा में किसी भी प्रकार की सहायता की अनुमति नहीं दी है, जिसके कारण सहायता समूहों और सरकारों ने उत्तरी गाजा में खतरनाक स्थितियों पर चिंता जताई।

पाकिस्तान के नए चीफ जस्टिस बने याह्या अफरीदी, नियम तोड़कर हुई नियुक्ति

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की विशेष संसदीय कमेटी ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के नए चीफ जस्टिस को चुन लिया है। कमेटी ने लंबी चली बैठक के बाद तीन सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों में अगले चीफ जस्टिस के रूप में याह्या अफरीदी को नामित किया है।

पाक के कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने मीडिया को बताया कि अफरीदी के नाम को कमेटी की दो-तिहाई बहुमत के साथ प्रधानमंत्री के पास भेजा गया है। अफरीदी का चयन हाल ही में हुए 26 वें संविधान संशोधन के तहत किया गया है, इस संशोधन ने न्यायपालिका में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। जिसमें मुख्य न्यायाधीश के चयन के लिए एक विशेष संसदीय समिति (SPC) की स्थापना शामिल है।

विशेष संसदीय समिति (SPC) की स्थापना से पहले वरिष्ठता के आधार पर चीफ जस्टिस का चयन होता था। याह्या अफरीदी के साथ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर भी इस दौड़ में शामिल थे। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा 25 अक्टूबर को शीर्ष न्यायाधीश से रिटायर होने वाले हैं। न्यायमूर्ति शाह को पहले वरिष्ठता सिद्धांत के तहत अगला CJP बनाया जाना था।

प्रधानमंत्री को भेजा गया नामांकन

न्यायमूर्ति अफरीदी का नामांकन अगर प्रधानमंत्री की ओर से मंजूर किया जाता है, तो वे पाकिस्तान के 30वें चीफ जस्टिस बन जाएंगे। उन्हें जून 2018 में सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने दिसंबर 2016 में पेशावर हाई कोर्ट (PHC) के सबसे कम उम्र के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी।

सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल ने किया था बहिष्कार

डॉन की खबर के मुताबिक संसदीय पैनल की पहली बैठक संसद भवन के बंद कमरे में हुई, जिसमें सरकार और विपक्ष दोनों के सदस्य शामिल थे। हालांकि, विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के सदस्यों ने पहली बैठक का बहिष्कार किया था। जिसकी वजह से दूसरी बैठक बुलाई गई।

5 साल पहले जब मोदी से मिले थे जिनपिंग, तब चीन ने दिया था धोखा...अब भारत की शर्तों पर झुकना पड़ा!

कजान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे का आज (बुधवार) दूसरा दिन है। पीएम ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने के लिए रूसी शहर कजान पहुंचे हैं। आज उनकी मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होगी। इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की नजरें हैं। दोनों नेताओं की 5 साल बाद द्विपक्षीय वार्ता होने जा रही है। इन 5 वर्षों में भारत और चीन के रिश्ते उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं। इसमें चीन के धोखे के साथ दोस्ती तक की कहानी शामिल है।

2019 के बाद मोदी-जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता नहीं हुई। 5 साल पहले जब पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात हुई तब चीन ने धोखा दिया था। लेकिन अब उसे भारत की शर्तों पर झुकना पड़ा है। दरअसल, अक्टूबर 2019 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत के दौरे पर आए थे। दोनों नेता महाबलीपुरम में एक अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए मिले थे। इस मुलाकात के कुछ महीने बाद ही चीन ने भारत को धोखा दिया था और LAC पर सैन्य गतिरोध पैदा हो गया था।

दोनों देशों की सेना आमने-सामने आ गई थीं। 15 जून, 2020 को भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो गई थी। इस घटना के बाद सितंबर, 2020 में राजनयिक और सैन्य स्तर पर बातचीत शुरू हुई। कई दौर की बातचीत के बाद भारत और चीन LAC पर समझौते को तैयार हुए। दोनों मुल्क पैट्रोलिंग पर 2020 से पहले वाली स्थिति पर सहमत हुए हैं। ये समझौता पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात से कुछ घंटे पहले ही हुआ।

वार्ता से पहले समझौता

पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात से पहले ही भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपनी सेनाओं द्वारा गश्त करने के समझौते पर सहमति जताई थी। यह चार साल से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है। भारत और चीन के बीच गश्त पर हुए समझौते के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि तत्काल ध्यान सैनिकों को पीछे हटाने पर होगा और फिर उचित समय पर तनाव कम करने और सैनिकों की वापसी के मुद्दे पर विचार किया जाएगा।

भारत-चीन सीमा विवाद... अबतक क्या-क्या हुआ?

5-6 मई 2020 पैंगोंग में भारत-चीन के सैनिकों में झड़प

9 मई 2020 सिक्किम के नाथुला में तीखी झड़प

25 मई 2020 LAC पर चीन ने 5000 सैनिक बढ़ाये

15 जून 2020 गलवान में चीन के सैनिकों से खूनी झड़प

10 फरवरी 2021 सीमा विवाद पर दोनों देशों में बातचीत

9 अप्रैल 2021 दोनों देशों में सैन्य स्तर पर बातचीत

13 नवंबर 2023 विवाद सुलझाने पर सेनाओं में सहमति

19 फरवरी 2024 कॉर्प्स कमांडर स्तर की 21वें दौर की बैठक

21 अक्टूबर 2024 LAC पर सेना के पीछे हटने पर सहमति

2014-2020 के बीच 18 बार पीएम मोदी-जिनपिंग में मुलाकात

15 जुलाई 2014 ब्राजील में दोनों नेताओं की मुलाकात

सितंबर 2014 भारत यात्रा पर जिनपिंग आए

नवंबर 2014 ऑस्ट्रेलिया में G20 के दौरान मुलाकात

मई 2015 पीएम मोदी दो दिवसीय चीन दौरे पर गए

जुलाई 2015 रूस में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान मुलाकात

जून 2016 उजबेकिस्तान में मुलाकात

सितंबर 2016 चीन में G20 समिट के दौरान मुलाकात

अक्टूबर 2016 गोवा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

जून 2017 शंघाई सहयोग संगठन में मुलाकात

जुलाई 2017 हैम्बर्ग में मुलाकात

सितंबर 2017 ब्रिक्स सम्मेलन में द्विपक्षीय वार्ता

अप्रैल 2018 वुहान, चीन में मुलाकात

9 जून 2018 SCO समिट के दौरान मीटिंग

नवंबर 2018 अर्जेंटीन में G20 समिट के दौरान मुलाकात

मई 2019 दोनों नेताओं की मुलाकात

जून 2019 किर्गिजस्तान में दोनों नेताओं के बीच बैठक

अक्टूबर 2019 महाबलीपुरम, भारत में मुलाकात

नवंबर 2019 ब्राजील में दोनों नेताओं की मुलाकात

समझौते के मायने क्या हैं?

LAC विवाद पर आगे भी बातचीत जारी रहेगी

अप्रैल 2020 से पहले वाली स्थिति बहाल होगी

अब दोनों देशों की सेना में टकराव की आशंका कम

'कांग्रेस के लिए वायनाड डिस्पोजेबल करी पत्ते की तरह'

प्रियंका के नामांकन भरने पर भाजपा का तंज

वायनाड। कांग्रेनस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन का पर्चा भरा। अब थोड़ी देर में उनका एक रोड-शो शुरू होगा, जिसके लिए शहर में तैयारी चल रही है। वायनाड लोकसभा उपचुनाव पर भाजपा नेताओं ने प्रतिक्रिया दी। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने इस चुनाव के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा को मैदान में उतारा है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जितनी आबादी उतना हक

कहने वाली पार्टी अपना ही नारा भूल गई। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी को वायनाड के लोगों से माफी मांगने के लिए कहा। वहीं भाजपा नेता सीआर केसवन ने कहा कि वायनाड के लोग कांग्रेस के लिए डिस्पोजेबल करी पत्ते की तरह हैं।

प्रियंका गांधी के नामांकन भरने पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'प्रियंका गांधी जी नामांकन दाखिल करने जा रही हैं, लेकिन राहुल गांधी को माफी मांगची चाहिए, क्योंकि उन्होंने वायनाड के लोगों को बैकअप की तरह इस्तेमाल किया। हमने देखा है कि जब अमेठी ने उन्हें अस्वीकार कर दिया था, तब वायनाड ने उन्हें स्वीकार किया था। उन्होंने वायनाड के लोगों को बताए बिना दूसरी सीट से चुनाव लड़ा। उन्हें लगता है कि यह एक पारिवारिक जागीर (पैतृक संपत्ति) या कोई प्राइवेट कंपनी है। आज सवाल यह है कि विपक्षी गठबंधन का का सच्चा उम्मीदवार कौन है? क्या वह कांद्रेस की प्रियंका गांधी हैं या फिर वाम पार्टी उम्मीदवार मोकेरी हैं। यह सिर्फ भ्रम और विभाजन है। विपक्षी गठबंधन का कोई मिशन और विजन नहीं है। राहुल गांधी जब वायनाड जाए तो उन्हें वहां के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रियंका गांधी को उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा। यह एक दूसरा राजवंश का नाम है। जितनी आबादी उतना हक कहने वाली पार्टी अपना ही नारा भूल गई। उन्हें स्तानीय लोगों को टिकट देना चाहिए था। उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? वहां की आबादी को हक नहीं मिलेगा, केवल परिवारवाद को ही हक मिलेगा। कांग्रेस एक पारिवारिक कंपनी है, यह कोई पार्टी नहीं है। यह एक परिवार की संपत्ति है। एक बात स्पष्ट है कि कांग्रेस यहां से चुनाव लड़ रही है, लेफ्ट भी वहां से चुनाव लड़ सकता है। उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ भी चुनाव लड़ा था। इनमें से सच्चा विपक्षी गठबंधन कौन है? क्या प्रियंका गांधी का नाम विपक्षी गठबंधन से पूछकर आगे बढ़ाया गया था? यह किस तरह का विपक्षी गठबंधन है, जहां लोग एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हैं।'

वायनाड कांग्रेस के लिए डिस्पोजेबल करी पत्ते की तरह: भाजपा नेता

तमिलनाडु में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कांग्रेस (आईएनसी) को इंदिरा-नेहरू कांग्रेस बताया। उन्होंने कहा, ₹वायनाड के लोग डिस्पोजेबल करी पत्ते की तरह हैं जिसका इस्तेमाल वे अपनी वंशवादी खिचड़ी को बढ़ाने के लिए करेंगे। बाद में वे इस करी पत्ते को बेरहमी से फेंक देंगे।

प्रदूषण से आंखों में जलन, एक्यूआई पहुंचा 349 के पार ; कई इलाकों में बिगड़े हालात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को प्रदूषण का स्तर बेहद खराब दर्ज हुआ है। दिवाली से पहले है दिल्ली गैस चेंबर बनने की तरफ बढ़ रही है। हवा में धूल के कण और जहरीली गैसों की मात्रा भी बढ़ गई है। राजधानी में वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' स्तर पर पहुंच गई है। सफर इंडिया के अनुसार एक्यूआई 349 पर पहुंच गया है। दिल्ली के स्थानीय लोगों ने कहा कि दिवाली से पहले इतना प्रदूषण है। लोग परेशान हैं और सरकार को कुछ उपाय करने चाहिए।

बीते मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआई सोनीपत के बाद देश में सबसे अधिक दर्ज किया गया। देश के 252 केंद्रों में मंगलवार को सोनीपत, दिल्ली, जींद और श्री गंगानगर में एक्यूआई बेहद खराब रहा। समस्या को देखते हुए दिल्ली सरकार ने पानी का छिड़काव सहित दूसरे उपाये तेज करने का निर्देश दिया है। साथ ही सड़कों पर वाहन कम करने के लिए पर्यावरण मंत्री ने डीटीसी और मैट्रो को फ्रीक्वेंसी और फेरे बढ़ाने के निर्देश दिया है। आदेश के बाद डीटीसी ने फ्रीक्वेंसी बढ़ाई है। वहीं मेट्रो ने 40 फेरे बढ़ा दिए हैं। साथ ही मेट्रो को आगे और ज्यादा फेरे बढ़ाने के लिए कहा गया है। वहीं सड़कों से निजी परिवहन को कम करने के लिए वाहन पार्किंग शुल्क में वृद्धि को लेकर संबंधित विभाग को जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। डॉक्टरों ने लोगों को सुबह और शाम के समय बाहर जाने से बचने की दी सलाह दी है। केंद्रीय प्रदूषण नियत्रंण बोर्ड के मुताबिक दिल्ली में देर शाम आनंद विहार सहित कई क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो गया। शाम सात बजे आनंद विहार में एक्यूआई 414 दर्ज किया गया। वहीं जहांगीरपुरी में एक्यूआई 384, नरेला में एक्यूआई 333, मुंडका का एक्यूआई 383 दर्ज किया गया।

मुंबई के होटल व्यवसायी की हत्या का मामला : छोटा राजन की उम्रकैद की सजा निलंबित, जमानत मिली

मुंबई, एजेंसी। बंबई उच्च न्यायालय ने 2001 में यहां होटल व्यवसायी जय शेट्टी की हत्या के संबंध में गैंगस्टर छोटा राजन को दी गई उम्रकैद की सजा बुधवार को निलंबित कर दी और मामले में उसे जमानत दे दी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चह्वाण की खंडपीठ ने राजन को एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दी।

बहरहाल, राजन अन्य आपराधिक मामले के संबंध में अभी जेल में ही रहेगा। इस साल मई में

एक विशेष अदालत ने राजन को होटल व्यवसायी की हत्या के मामले में दोषी ठहराया था और उसे उम्रकैद की सजा सुनायी थी।

राजन ने सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में एक अपील दाखिल की थी। उसने सजा निलंबित करने और अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया था। मध्य मुंबई के गामदेवी में 'गोल्डन क्राउन' होटल के मालिक जय शेट्टी की चार मई 2001 को होटल की पहली मंजिल पर राजन गिरोह के कथित सदस्यों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

जांच से पता चला था कि शेट्टी को छोटा राजन गिरोह के एक सदस्य हेमंत पुजारी से वसूली का फोन आया था और पैसे न देने के कारण उसकी हत्या की गयी थी। वरिष्ठ क्राइम रिपोर्टर जे डे की हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहा राजन अभी दिल्ली की तिहाड़ जेल में है।

इन फिल्मों में अभिनेत्रियों का दिखा दमदार अभिनय, दोहरा किरदार निभा कर जीता दिल

हिंदी फिल्मों का इतिहास सौ वर्षों से भी ज्यादा का है। इस दौरान एक से बढ़कर एक फिल्में बनी हैं। इन फिल्मों में कलाकारों ने कई यादगार भूमिकाएं भी निभाई हैं। इस दौरान कई फिल्मों में अभिनेताओं ने परदे पर दोहरा किरदार निभाया है, जिसे उनके फैंस ने काफी पसंद भी किया है। पर्दे पर आपने कई अभिनेताओं को दोहरी भूमिकाएं निभाते देखा होगा, लेकिन आज हम बात करेंगे उन अभिनेत्रियों की, जिन्होंने पर्दे पर दोहरी भूमिकाएं निभाई हैं।

कृति सेनन

'दो पत्ती'

इस सूची में सबसे ताजा नाम हैं बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन का। उनकी आगामी फिल्म दो पत्ती में वो दोहरी भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं। हाल में ही फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया है, जिसमें अभिनेत्री दो जुड़वां बहनों के किरदार में नजर आईं हैं। ये फिल्म उनके दोनों किरदारों के दांव-पेंच के बीच दर्शकों को सस्पेंस थ्रिलर का मजा देने वाली है। दो बहनों के गहरे रहस्यों से भरी इस फिल्म में काजोल भी नजर आने वाली हैं। दोनों अभिनेत्रियां साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म दिलवाले के बाद एक बार फिर साथ में स्क्रीन साझा करती नजर आने वाली हैं। ये फिल्म 25 अक्तूबर 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

कंगना रनौत

'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स'

साल 2015 में रिलीज हुई आनंद एल राय द्वारा निर्देशित फिल्म 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत ने दोहरी भूमिका निभाई थीं। ये फिल्म साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म 'तनु वेड्स मनु' का सीक्वल है। पहले भाग में कंगना रनौत ने काफी तेज तर्रार महिला का किरदार निभाया था, जिसकी शादी आर। माधवन के किरदार से हो जाती है। चार साल बाद रिलीज हुए इसके अगले भाग में कंगना दोहरे किरदार में नजर आईं। उन्होंने मूल फिल्म के किरदार के अलावा एक हरियाणवी एथलीट का भी किरदार निभाया। इस फिल्म में कंगना के अभिनय को काफी पसंद किया गया। फिल्म में कंगना के अलावा माधवन, जिमी शेरगिल, दीपक डोबरियाल आदि कलाकार भी अहम भूमकिओं में नजर आए थे।

दीपिका पादुकोण

'चांदनी चौक टू चाइना'

'चांदनी चौक टू चाइना' साल 2019 में रिलीज हुई मार्शल आर्ट एक्शन कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है। फिल्म में दीपिका पादुकोण ने दोहरा किरादर निभाया है। फिल्म में दीपिका ने दो जुड़वां बहनों का किरदार निभाया है, जिनका नाम सखी और सूजी होता है। फिल्म में दीपिका के अलावा अक्षय कुमार, मिथुन चक्रवर्ती, रणवीर शौरी आदि कलाकार भी नजर आए थे। फिल्म को आज काफी मनोरंजक माना जाता है, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी थी।

श्रीदेवी

'चालबाज'

'चालबाज' दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की लोकप्रिय फिल्मों में से एक है। साल 1989 में रिलीज हुई इस फिल्म को पंकज पाराशर द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म में श्रीदेवी दोहरी भूमिकाओं में नजर आई हैं। फिल्म में उन्होंने दो जुड़वां बहनों का किरदार निभाया है, जिनमें उन्होंने अंजू और मंजू की भूमिकाओं में नजर आई हैं। दोनों अपने मानसिक रूप से विकलांग नानी के कारण, जन्म के तुरंत बाद अलग हो जाती हैं। फिल्म में रजनीकांत, सनी देओल, शक्ति कपूर आदि कलाकार भी नजर आए थे।

हेमा मालिनी

'सीता और गीता'

साल 1972 में रिलीज हुई ये एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में मशहूर अभिनेत्री हेमा मालिनी दोहरी भूमिकाओं में नजर आई हैं। उन्होंने फिल्म में सीता और गीता नाम की जुड़वां बहनों का किरदार निभाया है। फिल्म की कहानी जुड़वां बहनों की है, जो जन्म के समय अलग हो जाती हैं और अलग-अलग स्वभावों के साथ बड़ी होती हैं। बाद में दोनों आपस में अपनी जगह बदल कर दुष्ट प्रवृति की चाची को सबक सीखाती हैं। इसमें धर्मेंद्र और संजीव कुमार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया है।

टीवी एक्ट्रेस दृष्टि धामी के घर गूंजी किलकारी, मां बनीं एक्ट्रेस, फैन्स के साथ शेयर की खुशखबरी

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दृष्टि धामी और नीरज खेमका पैरेंट्स बन गए हैं। मां बनने की जानकारी दृष्टि ने सोशल मीडिया के जरिए फैन्स के साथ शेयर की है। वो कई पॉपुलर टीवी शोज का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने 'बिग बॉस 18' के कंटेस्टेंट विवियन डीसेना के साथ भी काम किया है।

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दृष्टि धामी ने बेटी को जन्म दिया है। दृष्टि धामी और उनके पति नीरज खेमका ने सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी पोस्ट के साथ ये गुड न्यूज फैन्स के साथ शेयर की है। इंस्टाग्राम पर शेयर की इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है, "आखिरकार वो आ गई है। 22 अक्टूबर 2024। सीधे स्वर्ग से हमारे दिल में एक नन्ही सी जान आ गई है। ये एक नई शुरुआत है।" इस मैसेज के नीचे दृष्टि और नीरज के साथ इन दोनों के माता-पिता सुमन-प्रकाश खेमका और विभूति धामी का नाम लिखा हुआ है।

दृष्टि धामी और नीरज खेमका ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए ये ऐलान किया था कि वो माता-पिता बनने वाले हैं। दृष्टि और नीरज ने साल 2015 में शादी की थी। शादी के 9 साल बाद उन्होंने बेबी की प्लानिंग की। एक टीवी सीरियल के प्रमोशन के समय मां बनने को लेकर टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में दृष्टि ने कहा था कि उन्हें मां बनने की कोई जल्दी नहीं है और न ही उनपर कोई फैमिली प्रेशर है। जब नीरज और वो तैयार होंगे तब वो बेबी प्लान करेंगे।

40 साल की उम्र में बनीं मां

22 साल की उम्र में करण सिंह ग्रोवर के सीरियल 'दिल मिल गए' से दृष्टि ने अपने करियर की शुरुआत की थी। गुरमीत चौधरी के साथ उन्होंने रोमांटिक टीवी शो 'गीत हुई सबसे पराई' में काम किया था, जिसने पॉपुलैरिटी के सारे रिकार्ड्स तोड़ दिए। गुरमीत के साथ उनकी केमिस्ट्री को लोगों को खूब पसंद किया। इस शो के बाद दृष्टि ने स्टार से कलर्स टीवी की ओर अपना रुख किया। इस शो में उन्होंने विवियन डीसेना के साथ 'मधुबाला- एक इश्क एक जुनून' नाम का एक सुपरहिट शो टीवी को दिया। विवियन डीसेना फिलहाल 'बिग बॉस 18' के घर में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हैं।

प्रेग्नेंसी को बनाया ट्रेंडी

अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान दृष्टि सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव थीं। उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान किए वर्कआउट के वीडियो, उनका डांस और दोस्त नकुल मेहता के साथ उनके रील सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए थे। हालांकि उन वीडियोज के नीचे दृष्टि ने ये डिस्क्लेमर दिया था कि वो प्रेग्नेंसी में जो भी एक्टिविटी कर रही हैं, वो सबकुछ डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही कर रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com